वर्ष-12//अंक-29//फरवरी// 2024
ISSN 2454–5805

आम आदमी पत्रिका®

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार पेपरलेस डिजिटल बजट 2024-25

एसएसबी इंटरव्यू की प्रक्रिया जानकर करें तैयारी

गरीब परिवारों को अब नहीं होगी इलाज की चिंता

05

बिहार में नौवीं बार नीतीश सरकार

16

महतारी वंदन योजना का फॉर्म कब से भरा जाएगा? ये हैं नियम और शर्तें

26

छत्तीसगढ़ के कण-कण में बसे हैं प्रभु श्रीराम

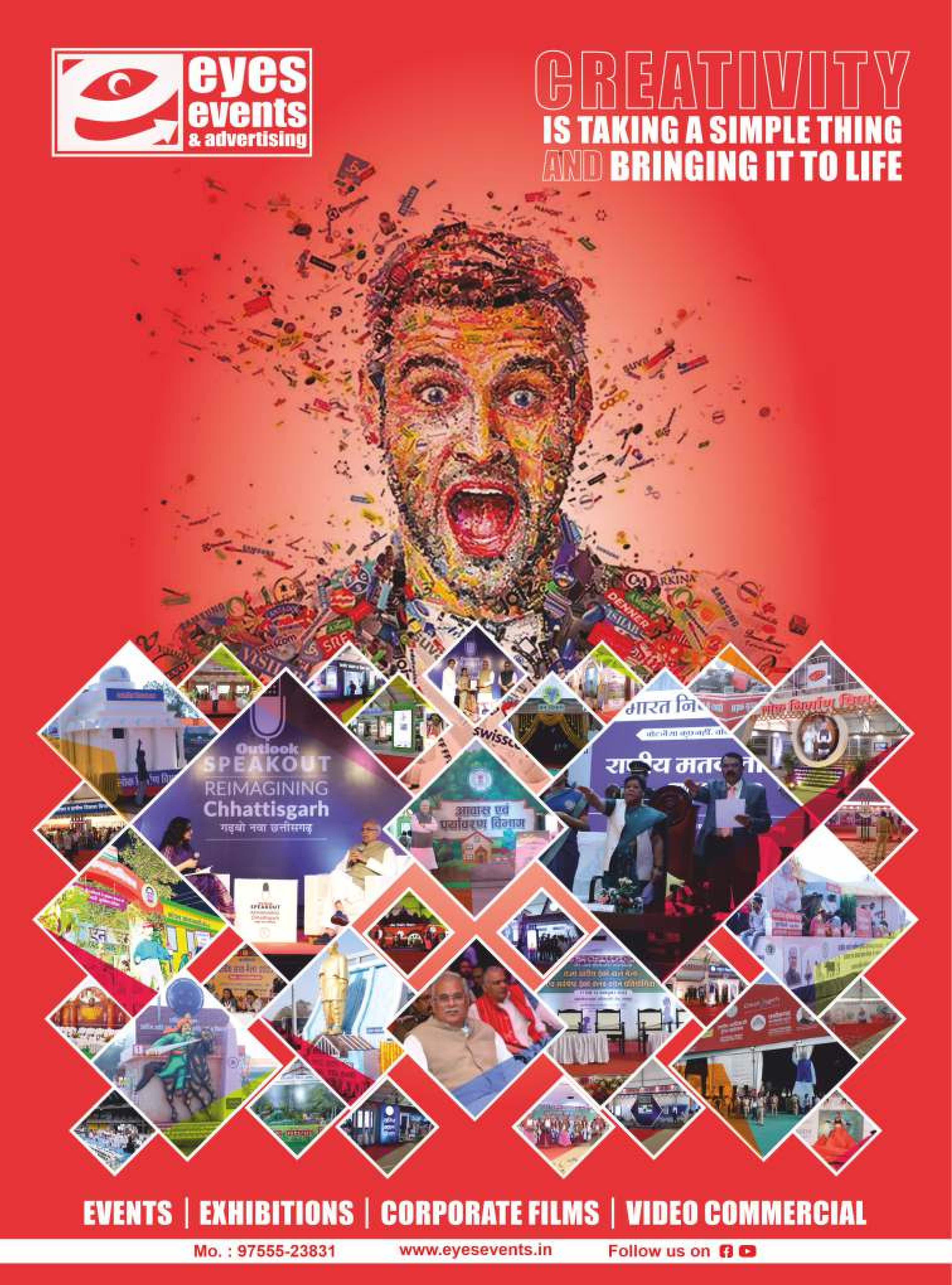
eyes
events
& advertising
CREATIVITY
IS TAKING A SIMPLE THING
AND BRINGING IT TO LIFE
Outlook
SPEAKOUT
REIMAGINING
Chhattisgarh
गढ़बो नवा छत्तीसगढ़
आवास एवं
पर्यावरण विभाग
EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL
Mo. : 97555-23831
www.eyesevents.in
Follow us on

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-12//अंक-29//फरवरी// 2024

प्रबंध संपादक : उमेश के बंसी

सर्कुलेशन इंचार्ज : प्रकाश बंसी

रिपोर्टर : नेहा श्रीवास्तव

कंटेंट राईटर : प्रशांत पारीक

क्रिएटिव डिजाइनर : देवेन्द्र देवांगन

मैग्ज़ीन डिज़ाइनर : आइज इवेंट्स

मार्केटिंग मैनेजर : किरण नायक

एडमिनिस्ट्रेशन : कुसुम श्रीवास्तव

अकाउंट असिस्टेंट : प्रियंका सिंह

ऑफिस कॉर्डिनेटर : योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

54/111, सालासर बालाजी मंदिर के पास,
अग्रसेन धाम के पीछे, वी.आई.पी.रोड, रायपुर (छ.ग.)

फोन : 0771-4044047

ईमेल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

फरवरी 2024

इस अंक में

खुद पर भरोसे का बजट

नई दिल्ली. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया. उनके बजट भाषण में केंद्र सरकार की योजनाओं पर भरोसे की झलक साफ दिखाई दी. वित्तमंत्री ने बीते 10 वर्षों में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करने के साथ-साथ आने वाले दिनों में इसे आगे बढ़ाने का रास्ता दिखाने वाला भाषण पढ़ा. 10

विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी: मोदी 12

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश किए गए अंतरिम आम बजट को ऐतिहासिक, समावेशी और नवोन्मेषी करार दिया. इस बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है.

बजट में सुविधाजनक और सुरक्षित रेल सफर पर दिया ध्यान 13

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने अंतरिम बजट में रेलवे के लिए कई घोषणाएं की. सरकार आम ट्रेनों की बोगियों को अपग्रेड कर वंदे भारत के स्तर की बनाने की तैयारी कर रही है.

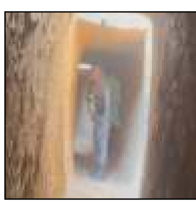

छत्तीसगढ़ में मिला माओवादियों का "पाताललोक" 18

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सल ऑपरेशन के दौरान सुरक्षबलों ने एक सुरंग की खोज की है. सुरंग नक्सलियों ने बनाई है. 130 फीट लंबी इस सुरंग में 100 से अधिक नक्सली छुप सकते हैं.

सुबह हो या शाम... इनके जीवन में है बस राम-राम-राम 22

सुबह का सूरज आज बादलों में कहीं गुम था...रात बारिश हुई थी और भीगी-भीगी मौसम के बीच हजारों लोगों का हुजूम जिस ओर आकर्षित हो रही थीं... वह शायद उनकी श्रद्धा और विश्वास ही था.

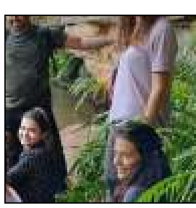

विदेशी पर्यटकों को लुभा रही कोण्डागांव की सुंदरता 28

कोण्डागांव. कोण्डागांव अपने आप में ढेरों प्राकृतिक संसाधनों के साथ अमूल्य सांस्कृतिक एवं पारम्परिक कलाओं को समेटे हुए है. यहां की संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्यता अपने आप में विलक्षण है.

एसएसबी इंटरव्यू की प्रक्रिया जानकर करें तैयारी 32

सेना, नौसेना और वायु सेना अधिकारी बनने के लिए लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) इंटरव्यू से गुजरना पड़ता है. यह इंटरव्यू क्या है?

भविष्य को मजबूती से निहारता बजट

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

अंतरिम बजट का मतलब है जिम्मेदार होना, नए उपायों को लेकर शानदार होना नहीं. इस अर्थ में यह बजट जिम्मेदार, भरोसेमंद है और भारतीय विकास प्रक्रिया में विश्व समुदाय के विश्वास को मजबूत करता है. अंतरिम बजट 2024-25 के बारे में मेरे पास बताने के लिए करीब सात बिंदु हैं.

सबसे पहले और सबसे अहम बात यह है कि बजट का मूल्यांकन न सिर्फ इस आधार पर किया जाना चाहिए कि आप क्या करते हैं, बल्कि इस आधार पर भी कि आप क्या नहीं करना चाहते हैं. यह देखते हुए कि यह एक चुनावी साल है, यह उम्मीद की गई होगी कि सार्वजनिक व्यय, प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण और सार्वजनिक सब्सिडी के माध्यम से लोकलुभावन उपायों की घोषणा की जाएगी. ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई. इसके बजाय, सरकार ने राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का मार्ग अपनाया. यह नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के प्रति उनके आत्मविश्वास से उपजा है. केवल असुरक्षित सरकारें ही चुनावी नतीजों को बेहतर बनाने के लिए लोकलुभावन कदम उठाती हैं. अल्पकालिक लाभ की तुलना में व्यापक आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दी गई है. निवेशकों को प्रोत्साहित करने और अतिरिक्त निजी पूंजी व्यय को गति देने के लिए राजकोषीय संतुलन बनाने की जो कोशिश हुई है, उसकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की जाएगी.

दूसरा, व्यय का ढर्रा देखें, तो पूंजीगत व्यय को 11 प्रतिशत का एक और प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है. हम लगातार उच्च पूंजीगत व्यय की राह पर हैं. राजस्व व्यय पर पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता पिछले कई बजटों की विशेषता रही है. इससे विकास को बढ़ावा मिलेगा.

तीसरा, यह चौथा वर्ष है, जब भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के मुताबिक भारत की विकास दर 7 प्रतिशत रहने की संभावना है. आगामी वर्षों में 7 प्रतिशत से भी ज्यादा की विकास गाथा को आगे बढ़ाया जाएगा, जो विकसित भारत बनाने के लिए खास प्रेरणा होगी. भारत बेशक 7 ट्रिलियन की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और निकट भविष्य में 10 ट्रिलियन तक भी पहुंचेगा. ऐसे लक्ष्य सामने हों, तो विकास की गति को कई प्रकार से बल मिलता है.

चौथा, विकास गाथा में पहले के वर्षों की तुलना में ज्यादा राजस्व उछाल दिख रही है. इस वर्ष जीडीपी में कर हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से ज्यादा होने की संभावना है. यह केंद्र सरकार के प्रत्यक्ष व परोक्ष करों में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ बेहतर राज्य जीएसटी का भी परिणाम है. राज्यों को अपने कर प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए.

अंतरिम बजट प्रतिबद्ध है कि 2047 तक विकसित भारत बनाने की रणनीति का पूरा खाका जुलाई में मुख्य बजट में शामिल किया जाएगा. निस्संदेह, तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का काम चल रहा है, पर चुनौतियों से निपटने के लिए उच्च निवेश, बचत अनुपात, बढ़ी हुई उत्पादकता और क्रियान्वयन के साथ ही 7 प्रतिशत से ज्यादा की विकास दर की जरूरत है. इसमें राज्य सरकारों की भागीदारी की जरूरत है. राज्य सरकारों को हमारी विकास रणनीतियों में सक्रिय भागीदार बनाना विकसित भारत को साकार करने में एक अहम उत्प्रेरक होगा.

बिहार में नौवीं बार नीतीश सरकार

पटना. बिहार में रविवार को महागठबंधन सरकार की विदाई हो गई. नीतीश कुमार के नेतृत्व में छठी बार एनडीए सरकार का गठन हुआ. यह नीतीश का नौवां शपथ ग्रहण था. उनके साथ दो उप मुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा समेत आठ मंत्रियों ने शपथ ली. शपथ लेने के बाद नीतीश ने दावा किया कि राजग छोड़कर अब उनके कहीं और जाने का कोई सवाल ही नहीं है.

इससे पहले सुबह करीब 11 बजे नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया. इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अभी तक जो सरकार थी, वह अब समाप्त हो गई है. महागठबंधन और विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में उनके लिए चीजें ठीक नहीं चल रही थीं. उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मैंने इतने सारे दलों को एक साथ लाने के लिए कैसे काम किया, लेकिन हाल में चीजें खराब हो गई थीं. मेरी पार्टी के नेताओं को भी यह अच्छा नहीं लग रहा था. जीतन राम मांझी के नौ महीने के कार्यकाल को छोड़कर 2005 से नीतीश कुमार लगातार बिहार के मुख्यमंत्री हैं. इस बीच दो बार वर्ष 2013 और 2022 में उनका एनडीए से नाता टूटा. 2013 में अलग हुए और 2017 में फिर जुड़े. उसके बाद अगस्त 2022 में अलग होकर महागठबंधन में चले गए. रविवार को वे एनडीए के साथ आ गए हैं. नीतीश ने बतौर एनडीए मुख्यमंत्री 2000, 2005, 2010, 2017, 2020 में शपथ ली थी.

भाजपा के कोटे से दो उप मुख्यमंत्री भाजपा ने अपने कोटे से उप मुख्यमंत्री का चेहरा बदला है.

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी, विधानमंडल दल के नेता विजय कुमार सिन्हा उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं. 2017 में जो सरकार बनी थी, उसमें रेणु देवी और तारकिशोर प्रसाद उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे. बिहार का तेजी से होगा विकास शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने पटना पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार बन गई है. नीतीश कुमार वापस एनडीए के साथ आ गए हैं, यह हर्ष का विषय है.

डबल इंजन की सरकार से सुधार प्रदेश भाजपा कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में नड्डा ने कहा कि बिहार ने जो जनादेश दिया था, वह एनडीए को दिया था. डबल इंजन की सरकार बनने से आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य में सुधार होगा. राज्य में विधि-व्यवस्था चरमराने लगी थी. नड्डा ने दावा किया कि जद (यू) के आने से लोकसभा और विधानसभा चुनाव में एनडीए क्लीन स्वीप करेगा.

1. सम्राट चौधरी (भाजपा)
2. विजय कुमार सिन्हा (भाजपा)
3. विजय कुमार चौधरी (जदयू)
4. बिजेंद्र प्रसाद यादव (जदयू)
5. डॉ. प्रेम कुमार (भाजपा)
6. श्रवण कुमार (जदयू)
7. संतोष कुमार सुमन (हम)
8. सुमित कुमार सिंह (निर्दलीय)

छत्तीसगढ़ बजट 2024-25

माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा आज वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत किया गया। नवगठित सरकार द्वारा अमृतकाल के रूप में प्रस्तुत किया गया यह पहला बजट हैकेनीव का बजट". बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (ज्ञान) की समृद्धि और पूंजीगत व्यय बढ़ाकर अधोसंरना विकास को प्रोत्साहित करने और राज्य के युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। बजट 'मोदी की गारंटी' के तहत वादों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अमृतकाल में एक विकसित राज्य के रूप में उभरने की दृष्टि से सभी क्षेत्रों में समावेशी विकास के लिए 1 नवंबर 2024 तक 'अमृतकाल: छत्तीसगढ़ विजन /2047' तैयार किया जाएगा । इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने में हमारी मदद करने वाला पहला मध्यावधि लक्ष्य अगले 5 वर्षों में हमारे राज्य की जीएसडीपी को 5 लाख करोड़ से दोगुना करके वर्ष 2028 तक 10 लाख करोड़ करने का लक्ष्य होगा।

मजदूरों और आदिवासियों के समग्र विकास द्वारा आर्थिक स्थिति को विकसित करने की गहन जिम्मेदारी की भावना के साथ यह बजट पेश किया गया है ।

"हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे", हमने 10 मौलिक रणनीतिक स्तंभों का मसौदा तैयार किया है जो 2047 तक हमारे मध्यावधि और दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में हमारी सहायता करेंगे।

1. **GYAN :** हमारे आर्थिक विकास के केन्द्र बिन्दु
2. तकनीक आधारित रिफार्म और सुशासन से तीव्र आर्थिक विकास
3. तमाम चुनौतियों के बीच अधिकाधिक पूंजीगत व्यय सुनिश्चित करना
4. प्राकृतिक संसाधनों का उचित इस्तेमाल
5. अर्थव्यवस्था के सेवा क्षेत्र की नयी संभावनाओं पर जोर
6. सरकार की सारी क्षमताओं के अतिरिक्त निजी निवेश भी सुनिश्चित करना
7. बस्तर-सरगुजा की ओर भी देखो
8. डिसेंट्रेलाइज्ड डेवलपमेंट पाकेट्स
9. छत्तीसगढ़ी संस्कृति का विकास
10. क्रियान्वयन का महत्वं

बजट एक नजर में

क्र.सं.	विवरण	2023-24 (बजट अनुमान)	2024-25 (बजट अनुमान)	% विकास
1.	कुल आय	1,21,501	1,47,500	22%
2.	कुल व्यय	1,21,500	1,47,446	22%
3.	राजस्व व्यय	1,02,501	1,24,840	22%
4.	पूंजीगत व्यय	18,660	22,300	20%
5.	राजस्व आधिक्य	+3,500	+1,060	-
6.	राजकोषीय घाटा	-15,200	-16,296	-
7.	जीएसडीपी	5,05,887 (ए(	5,61,736*	11%
8.	जीएसडीपी के % के रूप में राजकोषीय घाटा	-2.99%	-2.90%	-

राजकोषीय स्थिति

राज्य के राजस्व में वृद्धि के लिए किए गए सकारात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप, नए कर लगाए बिना या कर की दरों में वृद्धि किए बिना राज्य के स्वयं के राजस्व में 22 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

वित्त वर्ष 2024-25 में राज्य का सकल राजकोषीय घाटा रु. 19,696 करोड़ (भारत सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय के लिए 3,400 करोड़ रुपये की विशेष सहायता सहित)। अत: राज्य का शुद्ध राजकोषीय घाटा 16,296 करोड़ रु. होने का अनुमान है. जो जीएसडीपी का 2.90% है । यह एफआरबीएम अधिनियम में निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा के भीतर है।

वर्ष 2023-24 में कुल राजस्व आधिक्य 1,060 करोड़ रुपये अनुमानित है। छत्तीसगढ़ उन प्रगतिशील राज्यों में से है जो राजस्व आधिक्य की स्थिति बनाए है।

पूंजीगत व्यय लगभग रु. 22,300 करोड़ , जो कुल बजट का 15% और वित्त वर्ष 2023-24 से 20% अधिक है। यह पिछले 5 वर्षों के औसत पूंजीगत व्यय 12% से अधिक है।

भारत के साथ प्रमुख राजकोषीय संकेतकों की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि की तुलना

आर्थिक स्थिति

चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वित्त वर्ष 2022-23 के त्वरित अनुमान से 6.56: (स्थिर मूल्य पर) बढ़ने का अनुमान है। यह अनुमानित राष्ट्रीय जीडीपी वृद्धि दर 7. 3: से कम है।

चालू वित्त वर्ष 2023-24 में, —षि क्षेत्र में भारत की 1.82: की वृद्धि की तुलना में छत्तीसगढ की 3.23:, औद्योगिक क्षेत्र में भारत की 7.93: की वृद्धि की तुलना में छत्तीसगढ की 7.13: और सेवा क्षेत्र में भारत की 7.72: वृद्धि की तुलना में छत्तीसगढ की 5.02: वृद्धि अनुमानित है।

वर्ष 2022-23 में प्रचलित मूल्य पर, सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 4,64,399 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 5,05,886 करोड़ होने का अनुमान है, जो 8.93: की वृद्धि है।

वित्त वर्ष 2023-24 के त्वरित अनुमान के अनुसार, जीएसडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान राष्ट्रीय स्तर पर 14.41: की तुलना में 15.32: है, औद्योगिक क्षेत्र का राष्ट्रीय स्तर पर 30.97: की तुलना में 53.50: है और सेवा क्षेत्र का योगदान 54.62: की तुलना में 31.19: है।
वर्ष 2023-24 में प्रति व्यक्ति आय 7.31: बढ़कर 1,47,361 रुपये प्रति वर्ष होने का अनुमान है जो राष्ट्रीय स्तर पर 7.9: की वृद्धि के साथ 1,85,854 रुपये अनुमानित है।

मोदी की गारंटी

छत्तीसगढ़ के लिए 'मोदी की गारंटी' के वादों को पूरा करने के लिए समर्पित है

- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 के निर्माण के लिए वर्ष 2024-25 8,369 करोड़ रुपये का प्रावधान। वर्ष 2023-24 द्वितीय अनुपूरक में 3,799 करोड़ रुपये।
- महिलाओं को पोषित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महतारी वंदन योजना के तहत प्रति वर्ष 12,000 रुपये सहायता का प्रावधान।
- कृषक उन्नति योजना के तहत 10,000 करोड़ रुपये इससे 24.72 लाख से अधिक किसानों को लाभ होगा। गत वर्ष की तुलना में 02 लाख 30 हजार अधिक किसान लाभान्वित होंगे।
- ग्रामीण घरों को नल से जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के तहत 4,500 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- तेंदूपत्ता संग्राहकों को गत वर्ष 4000 प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 5,500 रु प्रति मानक बोरा भुगतान।
- दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत भूमिहीन मजदूरों को गत वर्ष 7000 प्रति वर्ष से बढ़ाकर 10,000 रुपये वार्षिक भुगतान के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- प्रदेशवासियों के लिए श्री रामलला दर्शन के लिए 35 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- युवा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना के क्रियान्वयन का प्रावधान।
- राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) के विकास हेतु विस्तृत योजना बनाने का प्रावधान। इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ के आयोजन के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- राज्य के 5 शक्तिपीठों के विकास की विस्तृत योजना बनाने हेतु 5 करोड़ रुपये का प्रावधान।
- मोदी की गारंटी के तहत जनता से किये गये वादों को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

आईटी आधारित सुधारों पर ध्यान दें

1. प्रशासनिक कार्यों को मजबूत करने और सभी स्तरों पर पारदर्शिता लाने के लिए सभी प्रशासनिक विभागों के लिए राज्य मुख्यालय से ग्राम पंचायत स्तर तक उन्नत डिजिटल तकनीकों और आईटी इनेबल्ड सेवाओं (आईटीईएस) पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 266 करोड़ रुपये का प्रावधान.
2. भारत नेट परियोजना के लिए 66 करोड़ रुपये का प्रावधान.
3. पीएम वाणी प्रोजेक्ट के लिए 37 करोड़ रुपये का प्रावधान.
4. एकीकृत ई-प्रोक्योरमेंट परियोजना के लिए 15 करोड़ रुपये का प्रावधान.
5. अटल डैशबोर्ड के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान
6. जीएसटी विभाग द्वारा बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट का विकास, स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग द्वारा एनजीडीआरएस सॉफ्टवेयर, आबकारी विभाग द्वारा सॉफ्टवेयर, खनन विभाग द्वारा खनिज ऑनलाइन 2.0, जल संसाधन विभाग द्वारा राज्य जल सूचना केंद्र, वित्त विभाग द्वारा आईएफएमआईएस 2.0 का विकास

विकेंद्रीकृत विकास प्रक्रिया

1. विश्व स्तरीय आईटी क्षेत्र, विवाह, शिक्षा और स्वास्थ्य डेस्टीनेशन के लिए रायपुर-भिलाई क्षेत्र के आसपास राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) का विकास।
2. नवा रायपुर में लाईवलीहुड सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना
3. भिलाई में उद्यमिता केंद्र की स्थापना
4. राज्य में स्टार्ट अप संस्कृति और अन्य आईटी सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट अप इन्क्यूबेशन सेंटर और आईटी पार्क बनाया जाएगा।
5. नवा रायपुर में आईटी उद्योग के विकास और आईटी रोजगार सृजन के लिए 'प्लग एंड प्ले मॉडल'।
6. रायपुर, नवा रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, अंबिकापुर, जगदलपुर, कोरबा और रायगढ़ आदि शहरों को ष्ग्रोथ इंजन ष्के रूप में विकसित करने पर ध्यान दें।
7. कोरबा, जांजगीर, रायगढ़, उरला, सिलतरा आदि जैसे समृद्ध उद्योग क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए उद्योग नीति का प्रारूप तैयार किया जाएगा।
8. कृषि एवं ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान एवं प्रोत्साहन दिया जाएगा।

विभाग के बजट में बड़ी बढ़ोतरी

क्र.सं.	विभाग का नाम	होना 2023-24	होना 2024-25	विकास मूल्य	%विकास
1.	महिला एवं बाल विकास विभाग	2,675	5,683	**3,008**	112%
2.	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग	2,557	5,048	**2,491**	97%
3.	खनिज साधन	877	1,580	**703**	80%
4.	पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग	10,329	17,529	**7,200**	70%
5.	लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग	5,497	7,552	**2,055**	37%
6.	कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग	10,070	13,435	**3,365**	33%
7.	ऊर्जा विभाग	6,665	8,009	**1,344**	20%
8.	गृह विभाग	6,520	7,570	**1,050**	16%
9.	नगरीय प्रशासन विकास विभाग	5,360	6,044	**684**	13%
10.	स्कूल शिक्षा विभाग	19,489	21,489	**2,000**	10%

प्रमुख योजनाएँ

1. छोटे और मध्यम किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने एवं आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए कृषक उन्नति योजना के तहत 10,000 करोड़ रुपये का प्रावधान.
2. प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 8,369 करोड़ रुपये रुपये का प्रावधान.
3. जल जीवन मिशन के लिए 4,500 करोड़ रुपये का प्रावधान.
4. हायर सेकेंडरी स्कूल के विकास और रखरखाव के लिए 3,952 करोड़ रुपये का प्रावधान.
5. 5 एचपी कृषि पंपों के लिए मुफ्त बिजली आपूर्ति के लिए 3,500 करोड़ रुपये रुपये का प्रावधान.
6. 3,400 करोड़ के लिएमुख्यमंत्री खद्याण ऋ सहायता योजना रुपये का प्रावधान.
7. राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महतारी वंदन योजना के लिए 3000 करोड़ रुपये का प्रावधान.
8. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए 841 करोड़ रुपये का प्रावधान.
9. अमृत मिशन योजना के लिए 700 करोड़ रुपये का प्रावधान.
10. केन्द्रीय प्रायोजित योजना "प्रधानमंत्री जनमन योजना" में राज्यांश के रूप में 300 करोड़ रुपये का प्रावधान.
11. श्री राम लला दर्शन (अयोध्या धाम) के लिए 35 करोड़ रुपये का प्रावधान.
12. भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को सु-ढ़ करने के लिए राज्य में छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन योजना लागू की जाएगी।
13. छत्तीसगढ़ इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी) और छत्तीसगढ़ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंस(ब्डै) क्रमशः प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र और संभाग में स्थापित किए जाएंगे।
14. रायपुर-भिलाई के आसपास राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) विकसित किया जाएगा।
15. छत्तीसगढ़ सेंटर आफ स्मार्ट गवर्नेंस का गठन
16. छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन
17. बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में इको-पर्यटन और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र विकसित किए जाएंगे।
18. नए उद्योगों को नीति में शामिल करने के लिए नई उद्योग नीति तैयार की जाएगी
19. ई-वाहनों को प्रोत्साहन , कुसुम योजना को अपनाने आदि के अलावा कार्बन उत्सर्जन में कमी के लिए जलवायु कार्य योजना तैयार की जाएगी।
20. राज्य की खेल सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना प्राथमिकता दी जाएगी।

कर प्रस्ताव

वर्ष 2024-25 के लिए कोई कर प्रस्ताव नहीं है और मौजूदा कर दरों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है।

खुद पर भरोसे का बजट

नई दिल्ली. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया. उनके बजट भाषण में केंद्र सरकार की योजनाओं पर भरोसे की झलक साफ दिखाई दी. वित्तमंत्री ने बीते 10 वर्षों में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करने के साथ-साथ आने वाले दिनों में इसे आगे बढ़ाने का रास्ता दिखाने वाला भाषण पढ़ा.

अंतरिम बजट का ये भाषण पिछले अंतरिम बजट भाषणों से काफी अलग रहा जिनमें तत्कालीन वित्तमंत्री चुनावों से ठीक पहले इस मौके का इस्तेमाल लोकलुभावन ऐलानों के लिए करते थे. वित्त मंत्री सीतारमण के लहजे से साफ था जैसे उन्हीं की सरकार आम चुनावों के बाद का बजट पेश करने जा रही है और उसकी रूपरेखा तैयार है.

लंबी अवधि के विकास पर जोर वित्त मंत्री सीतारमण ने अंतरिम बजट में लोकलुभावन योजनाओं का ऐलान करने से बचते हुए केवल चुनिंदा क्षेत्रों को राहत देने का काम किया. इन ऐलानों के माध्यम से उनका जोर लंबी अवधि के विकास पर ही रहा है.

स्टार्टअप को कर छूट के संकेत

सरकार ने खास तौर पर लंबी अवधि के लिए अनुसंधान क्षेत्र को बढ़ावा देने वाला ऐलान किया है. साथ ही सोलर पैनल लगाने पर भी इंसेंटिव दिए जाने का प्रावधान भी किया जाएगा. मध्यम वर्ग को घर देने के अलावा स्टार्टअप को भी टैक्स छूट मिलेगी इस बात के भी संकेत बजट से मिलते हैं.

कर विवादों पर राहत का प्रस्ताव

वित्त मंत्री ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के मोर्चे पर भले कोई राहत नहीं दी. लेकिन वर्ष 2009-10 तक के 25 हजार रुपये और वित्तवर्ष 2010-11 से 2014-15 तक के 10 हजार की छोटी राशि की पुरानी कर मांग से जुड़े विवादों से आम लोगों को राहत देने का प्रस्ताव किया.

हर चुनौती को दूर किया

एक घंटे से कम समय के बजट भाषण में निर्मला सीतारमण ने बीते 10 वर्षों में सरकार की उन उपलब्धियों को रखा जिससे देश 'नाजुक अर्थव्यवस्था' की श्रेणी से बाहर निकलकर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना. उन्होंने कहा कि 2014 से पहले की हर चुनौती को आर्थिक प्रबंधन और बेहतर राजकाज के माध्यम से दूर किया जा चुका है.

पूंजीगत व्यय 11 बढ़ाने का प्रस्ताव

सीतारमण ने लेखानुदान पेश करते हुए बताया कि सरकार आर्थिक वृद्धि को और गति देने के लिए पूंजीगत व्यय 11 बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव कर रही है. वहीं, चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य संशोधित कर इसे जीडीपी का 5.8 कर दिया है. राजकोषीय घाटा अगले वित्त वर्ष में 5.1 रहने का अनुमान है.

रक्षा बजट में बढ़ोतरी

अंतरिम बजट 2024-25 में रक्षा क्षेत्र के लिए 6.21 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जबकि पिछले साल यह आवंटन 5.94 लाख करोड़ रुपये था. इसके साथ ही सरकार ने सैन्य क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की.

सरकार श्वेत पत्र लाएगी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, सरकार वर्ष 2014 से पहले की आर्थिक स्थिति के बारे में श्वेत पत्र लेकर आएगी. उन्होंने कहा, इससे ये पता चल सकेगा कि वर्ष 2014 तक हम कहां थे और अब कहां हैं. इसका मकसद उन वर्षों के कुप्रबंधन से सबक सीखना है.

मुफ्त बिजली

प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना के तहत सोलर पैनल के जरिये एक करोड़ परिवारों को हर माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी. इस योजना से सालभर में 18 हजार की बचत होगी.

दो करोड़ घर

अंतरिम बजट के दौरान वित्तमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में तीन करोड़ घर बनाए गए हैं और अगले पांच वर्षों दो करोड़ घर और बनाए जाएंगे.

शेयर बाजार में मामूली गिरावट

घरेलू शेयर बाजार उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में गिरावट के साथ बंद हुए. घरेलू बाजार अंतरिम बजट पेश किए जाते समय अस्थिर हो गया. बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 106.81 अंक यानी 0.15 प्रतिशत गिरकर 71,645.30 अंक पर बंद हुआ. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी 28.25 अंक यानी 0.13 प्रतिशत गिरकर 21,697.45 अंक पर आ गया.

गरीब

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में कहा, किराये के मकान, चाल झुग्गी-बस्ती और अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वालों को घर खरीदने में मदद करने के लिए सरकार जल्द एक योजना लाएगी.

नारी

आयुष्मान भारत योजना के दायरे में सभी आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री भी आएंगी. वहीं, केंद्र सरकार ने बजट में 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य दो करोड़ से बढ़ाकर तीन करोड़ करने का फैसला किया है.

नए रेल गलियारे

तीन आर्थिक रेल गलियारे बनेंगे. इनमें ऊर्जा, खनिज एवं सीमेंट, बंदरगाह संपर्क और यातायात गलियारा शामिल हैं. 40 हजार बोगियां वंदे भारत के तहत अपग्रेड की जाएंगी.

अन्नदाता

फसल कटाई के बाद की गतिविधियों में निजी और सार्वजनिक निवेश बढ़ेगा.
तिलहन उत्पादन बढ़ाकर खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की रणनीति बनाई जाएगी. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने भाषण में कहा कि सरकार जुलाई में पेश किए जाने वाले अपने बजट में भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए विस्तृत रूपरेखा पेश करेगी. उन्होंने बताया कि 'सुधार, प्रदर्शन और बदलाव' के सिद्धांत के आधार पर सरकार अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढ़ाएगी और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्यों तथा संबंधित पक्षों के साथ आम सहमति बनाएगी.

बिहार और झारखंड के विकास पर खास ध्यान

बजट पेश करने के बाद सीतारणम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सरकार का फोकस हमेशा से गरीब, किसान, नारी और युवा पर रहा है. इस बार का बजट भी उसी मुहिम को आगे बढ़ाने वाला रहा है. उनके मुताबिक देश में अगले दौर के आर्थिक सुधार पूर्वी हिस्से से होकर गुजरेंगे. इनमें आर्थिक योजनाओं को लागू करने का काम किया जाएगा. उन्होंने खास तौर पर बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल का नाम लेते हुए इन राज्यों की तरफ खास ध्यान दिए जाने की बात कही.

विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटीः मोदी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बजट पेश होने के बाद एक वीडियो संदेश के जरिए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि यह देश के भविष्य के निर्माण का बजट है, जो विकसित भारत के चार स्तंभों क्रमशरू युवा, गरीब, महिला और किसान को सशक्त बनाएगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बजट में युवा भारत की युवा आकांक्षा का प्रतिबिंब भी है. बजट में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं. शोध और नवोन्मेष पर एक लाख करोड़ रुपये का फंड बनाने की घोषणा की गई है. स्टार्टअप्स को मिलने वाली टैक्स छूट के विस्तार का ऐलान भी हुआ.

युवाओं के लिए अनगिनत रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे रू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस अंतरिम बजट में राजकोषीय घाटे को काबू में रखते हुए पूंजीगत व्यय को 11 लाख 11 हजार 111 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक ऊंचाई दी गई है.

उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्रियों की भाषा में कहें तो ये एक प्रकार से स्वीट स्पॉट है. इससे भारत में 21वीं सदी के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के साथ-साथयुवाओं के लिए अनगिनत रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे.

11 लाख 11 हजार 111 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक ऊंचाई दी गई है राजकोषीय घाटे को काबू में रखते हुए पूंजीगत व्यय को

अंतरिम बजट में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं. शोध और नवोन्मेष पर एक लाख करोड़ रुपये का फंड बनाने की घोषणा की गई है. साथ ही स्टार्टअप्स को मिलने वाली टैक्स छूट के विस्तार का ऐलान भी हुआ है.

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

> ‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश किए गए अंतरिम आम बजट को ऐतिहासिक, समावेशी और नवोन्मेषी करार दिया. उन्होंने कहा, इसमें निरंतरता का विश्वास है. इस बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है.’

बजट में सुविधाजनक और सुरक्षित रेल सफर पर दिया ध्यान

"नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने अंतरिम बजट में रेलवे के लिए कई घोषणाएं की. सरकार आम ट्रेनों की बोगियों को अपग्रेड कर वंदे भारत के स्तर की बनाने की तैयारी कर रही है. इस कदमों से आम लोगों को सुविधाजनक और सुरक्षित रेल सफर मुहैया कराने की योजना है."

रेल के इतिहास में पहली बार 40,900 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बनाने की घोषणा की गई है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश अंतरिम बजट में देश में तीन नए समर्पित रेल कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया है. अमृत चतुर्भुज नामक कॉरिडोर देशवासियों को सेमी हाई स्पीड (160-240 किलोमीटर प्रतिघंटा) पर तेज-सुरक्षित रेल सफर मुहैया कराएगा. वहीं एनर्जी इकानोमिक कॉरिडोर व रेल सागर कॉरिडोर टाइम टेबल से मालढुलाई की सुविधा प्रदान करेगा.

अमृत चतुर्भुज रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि अमृत चतुर्भुज में 16,900 किलोमीटर समर्पित सेमी हाई स्पीड कॉरिडोर बनाया जाएगा. इसमें दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू कश्मीर, बेंगलुरु आदि शहरों के बीच सेमी हाई स्पीड कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा. सवा चार लाख करोड़ की लागत से 200 प्रोजेक्ट के तहत समूचा कॉरिडोर बनकर तैयार होगा. अमृत चतुर्भुज पर वंदे भारत, अमृत भारत, स्लीपर वंदे भारत जैसी सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को चलाया जाएगा.

क्या खास है बजट में

1309 स्टेशनों की पहचान अमृत भारत स्टेशन के रूप में हुई.
508 अमृत भारत स्टेशनों की नींव 06 अगस्त 2023 को पीएम ने रखी.
12 हजार ट्रेन के डिब्बे डिजिटल डिस्प्ले से लैस होंगे

बढ़ रहा पटरी का दायरा

2004 से 2014 के बीच 14,985 किलोमीटर पटरी बिछाई गई थी.
2014 से 2023 के बीच 25,871 किलोमीटर पटरी का काम पूरा.
14 किलोमीटर पटरी देश में रोज बिछाई गई वर्ष 2022-23 में .
16 किलोमीटर की पटरी रोज बिछाने का लक्ष्य सरकार ने रखा है.
2023 तक 60,814 किलोमीटर रेल नेटवर्क का विघुतीकरण हुआ.

मिर्गी के मरीज को जूता न सुंघाए

नई दिल्ली. मिर्गी का दौरा पड़ने पर मरीज को जूता, प्याज और अन्य कोई दूसरी चीज नहीं सुंघानी चाहिए. अगर किसी को दौरा पड़ता है तो उसे तुरंत एक दिशा में करवट लेकर लिटाना चाहिए. उसके गले से कपड़े को हटा दें. ये बातें एम्स के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. मंजरी त्रिपाठी ने कहीं.

बुधवार को एम्स में अंतरराष्ट्रीय मिर्गी दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा. मंगलवार को उन्होंने बताया कि मिर्गी का दौरा पड़ने पर मरीज में अगर दो मिनट तक कंपन होती है तो वह सामान्य है. दौरा पांच मिनट और उससे अधिक होने पर डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. ऐसे मरीजों को वजन के आधार पर नाक से दवा दी जाती है.

मिर्गी से ग्रसित मरीज अगर दवा का नियमित सेवन करें तो 70 फीसदी तक रोग पर नियंत्रण हो सकता है. डॉक्टर ने बताया कि दवा को बीच में छोड़ देने से समस्या बढ़ सकती है. समय पर दवा, उचित खानपान और योग से मिर्गी को दूर किया जा सकता है. शराब, तेज आवाज व अन्य जगहों से दूर रहना चाहिए. देश में करीब हर 100 मरीज पर एक मरीज में यह रोग है. जबकि दुनिया में यह आंकड़ा करीब छह से सात करोड़ है.

गरीब परिवारों को अब नहीं होगी इलाज की चिंता

रायपुर. गरीब परिवारों को बेहतर इलाज मिल सके, उनकी आर्थिक स्थिति आड़े न आएं और उन्हें इलाज के खर्च की चिंता न रहे. गरीब परिवारों की इस तकलीफ को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना संचालित की जा रही है. गरीब परिवारों के लिए यह योजना संजीवनी साबित हो रही है. आयुष्मान भारत योजना ने लाखों परिवारों को उनकी खुशियां लौटाने में मदद की है.

लाखों गरीब परिवारों के साथ विशेष पिछड़ी जनजाति की श्रीमती रसबाई कमार एवं श्री चमरू कमार को भी प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम के तहत आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया है. आयुष्मान कार्ड मिलने पर बलौदाबाजार जिले के कसडोल विकासखण्ड के ग्राम बल्दाकछार की

श्रीमती रसबाई कमार ने कहा कि अब मुझे किसी भी प्रकार के इलाज के लिए चिंतित नहीं होना पड़ेगा. हमारा परिवार बेहद गरीब है. हमारे पास उतने पैसे नहीं होते है कि घर में किसी सदस्य की तबियत खराब होने पर उनका इलाज करा सकें. अब आयुष्मान कार्ड बनने से 5 लाख रूपये तक निःशुल्क इलाज हमें भी मिलेगा. श्रीमती रसबाई कमार ने आयुष्मान कार्ड मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया.

इसी तरह श्री चमरू कमार ने भी आयुष्मान कार्ड मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री गरीब आदिवासियों के हित की बात सोच रहे हैं, उन्हें आगे बढ़ाने, शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए संकल्पित है.

हमारे लिए विशेष रूप उन्होंने पीएम जनमन योजना शुरू की है, वास्तव में हमारा समाज इससे लाभान्वित हो रहा है. श्री चमरू कमार ने प्रधानमंत्री का इस योजना के लिए विशेष धन्यवाद दिया है.

गौरतलब है कि विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए केन्द्र सरकार ने एक बड़ी पहल करते हुए पीएम जनमन योजना प्रारंभ की है. यह योजना विशेष पिछड़ी जनजातियों को विशेष रूप केन्द्रित करते हुए उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाने का काम कर रही है. प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजातियों के पारा, मोहल्लो, टोलों में जाकर प्रशासन शिविर लगाकर उनकी जरूरतों की जानकारी लेने के साथ ही योजनाओं के माध्यम से इसे पूरा करने के लिए सतत् प्रयासरत् है. इस पहल से प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजातियां लाभान्वित हो रही हैं, इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं.

महतारी वंदन योजना का फॉर्म कब से भरा जाएगा? ये हैं नियम और शर्तें

छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है. अब जल्द ही इसके लिए फॉर्म भरने की शुरुआत हो जाएगी. महतारी वंदन योजना के लिए कुछ नियम और शर्तें तय की गई हैं. आइए आपको बताते हैं कि इसके लिए क्या-क्या कागजात की जरूरत है.

रायपुरः छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार की सबसे अहम महतारी वंदन योजना को मंजूरी मिल चुकी है. यह वही योजना है, जिसका राज्य की महिलाओं का काफी इंतजार रहा है. हाल ही में हुई कैबिनेट की बैठक में इस योजना पर मुहर लग चुकी है. इस योजना से प्रदेश की महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुधारने की कोशिश है. इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए की राशि मिलने वाली है. राज्य सरकार ने इसके लिए पूरा खाका तैयार कर लिया है.

जैसा कि चुनाव के समय बीजेपी ने ऐलान किया था, इस योजना के तहत हर साल महिलाओं के खाते में 12,000 रुपए मिलेंगे. महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं के बैंक खातों में प्रति माह 1,000 रुपए यानी 12,000 रुपए डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से भेजे जाएंगे. इस योजना की पहली किस्त का पैसा सरकार अगले महीने से महिलाओं के खाते में ट्रांसफर करने की पूरी तैयारी कर चुकी है. चलिए बताते हैं इस योजना से कैसे जुड़ा जा सकता है? क्या-क्या महत्वपूर्ण दस्तावेज इसके लिए लगेंगे? पात्रता कैसे तय की जाएगी?

कैसे करना होगा आवेदन?

महतारी वंदना योजना के लिए आवेदन फॉर्म जमा जमा करना होगा. इस योजना का लाभ देने के लिए सरकार जल्द ही ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने वाली है. ऑनलाइन प्रक्रिया में महतारी वंदन योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म जमा करना होगा. वहीं, ऑफलाइन प्रक्रिया में महिलाएं आवेदन फॉर्म महतारी वंदना योजना से संबंधित कार्यालय में जाकर जमा कर सकेंगी. इस योजना में आवेदन के लिए सरकार जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट और कार्यालयों को खोलने वाली है.

सिर्फ यही महिलाएं होंगी पात्र

महतारी वंदन योजना का लाभ उठाने के लिए पात्रता होना बेहद जरूरी है. महतारी वंदन योजना में केवल छत्तीसगढ़ की मूल निवासी महिला ही आवेदन कर सकती है. इस योजना का लाभ लेने के लिए महिला की आयु 1 जनवरी 2024 की स्थिति में 21 साल होनी चाहिए. विवाहित महिला के अलावा विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता महिलाओं को भी योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र किया गया है. बताया जा रहा है कि इस योजना में लाभ प्राप्त करने वाली महिला आयकरदाता नहीं होनी चाहिए एवं सालाना आय 5 लाख से अधिक नहीं होना चाहिए.

दस्तावेजों की जांच भी होगी

जिन महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ उठाना है, उनके लिए दस्तावेज भी निर्धारित किए गए हैं. आवेदन जमा करने हेतु सभी जरूरी दस्तावेज होना चाहिए. ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन फार्म जमा करने के लिए जरूरी दस्तावेजों लगेंगे. आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, मूल निवासी प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, विवाह प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज.

छत्तीसगढ़ में मिला माओवादियों का "पाताललोक"

"छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सल ऑपरेशन के दौरान सुरक्षबलों ने एक सुरंग की खोज की है. सुरंग नक्सलियों ने बनाई है. 130 फीट लंबी इस सुरंग में 100 से अधिक नक्सली छुप सकते हैं. साथ ही गोला-बारूद का भंडारण भी कर सकते हैं. इसके बाद सुरक्षाबलों ने अन्य सुरंग की तलाश शुरू कर दी है."

रायपुरः नक्सल प्रभावित बीजापुर में सुरक्षा बल के जवान लगातार ऑपरेशन कर रहे हैं. ऑपरेशन से लौटने के दौरान नक्सलियों के पाताललोक के बारे में पता चला है, जिसे देखकर आप दंग रह जाएंगे. सुरक्षाबलों को नक्सलियों को 130 फीट लंबी सुरंग के बारे में पता चला है. इस सुरंग में 100 नक्सली आराम से छुप सकते हैं. यहां नक्सली छुप सकते हैं बल्कि गोला-बारूद का भी भंडारण कर सकते हैं. बस्तर के इलाके में बीते 20 सालों से नक्सलियों के साथ संघर्ष चल रहा है लेकिन पहली बार ऐसी सुरंग मिली है. यह नक्सल विरोधी अभियानों के लिए नई चुनौतियां खड़ी करती हैं.

वहीं, पुलिस ने इलाके में अन्य सुरंग की तलाश के लिए एक खोजी अभियान शुरू किया है. 10-12 फीट भूमिगत इस सुरंग को तड़पोट गांव के पास जिला रिजर्व गार्ड के जवानों ने खोज निकाला है. सुरंग की दीवारें पक्की मिट्टी से बनी हैं, जिसमें धूप और हवा के लिए जगह है. हालांकि सुरंग हाल ही में बनाई गई प्रतीत होती है लेकिन इसका उद्देश्य और उपयोग अभी भी स्पष्ट नहीं है.

सीआरपीएफ, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम ने इंद्रावती एरिया कमेटी के माओवादी कमांडर मल्लेश को पकड़ने के मिशन पर सुरंग की खोज की. हालांकि उन्हें उस स्थान पर कोई माओवादी नहीं मिला, लेकिन उन्होंने तीन शिविरों और कुछ माओवादी स्मारकों को नष्ट कर दिया. वापस बेस की ओर जाते समय, डीआरजी के जवानों ने जंगल के फर्श पर एक संदिग्ध पैच देखा, जो सुरंग का प्रवेश द्वार निकला.

सीआरपीएफ, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम बुधवार की सुबह दंतेवाड़ा के एक कैंप से इंद्रावती एरिया कमेटी के माओवादी कमांडर मल्लेश को पकड़ने के लिए निकली थी.

मुखबिर से मिले सूचना के आधार पर जब जवान पहुंचे तो उन्हें तीन नक्सली शिविर मिले लेकिन वहां कोई नहीं था.

एसपी ने कहा, जवानों ने शिविरों और कुछ माओवादी स्मारकों को नष्ट कर दिया. इसके बाद हम कैंप लौट रहे थे. इस दौरान डीआरजी के जवानों ने देखा कि जंगल के फर्श का एक छोटा सा हिस्सा क्षेत्र की प्राकृतिक सेटिंग से अलग दिख रहा है. उन्हें संदेह हुआ कि उस पैच के नीचे कुछ छिपा हुआ है और उन्होंने खुदाई शुरू कर दी. उन्हें मिट्टी और लकड़ी की एक श्चटाईश मिली. यहां एक अस्थायी जाल और दरवाजा निकला जो कि सुरंग का प्रवेश द्वार था. जवान हथियार लेकर सुरंग में घुसे लेकिन सुरंग खाली मिली.

सुरंग में नहीं मिला कोई

वहीं, पुलिस की टीम वहां पहुंची तो सुरंग खाली थी. यह माना जाता है कि माओवादी सुरक्षा बलों से बचने के लिए ऐसे सुरंगों का उपयोग गुप्त ठिकानों के रूप में कर रहे होंगे. दंतेवाड़ा और बीजापुर से समान दूरी पर बना सुरंग नक्सलियों ने एक रणनीति के तहत तैयार की होगी. यह भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन के नजदीक है. साथ यहां नक्सली इंद्रावती नदी को आसानी से पार कर सकते हैं.

आसमान से नहीं दिखेंगे नक्सली

दरअसल, नक्सलियों के गढ़ में सुरक्षा बल के जवान आसमान से भी उन पर नजर रखते हैं. शायद नक्सलियों ने हवाई निगरानी से बचने के लिए यह सुरंग बनाई होगी. जवानों को एक नक्सली कैंप में छापेमारी के दौरान कुछ दस्तावेज मिले थे, उसमें इस बदलाव के संकेत मिले थे. दस्तावेज में मुठभेड़ों और हवाई हमलों के दौरान माओवादियों की सुरक्षा के लिए सुरंगों के निर्माण का जिक्र किया गया था, हालांकि पुलिस ने किसी भी हवाई बमबारी से इनकार किया है.

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने नक्सलवाद का मुकाबला पूरी ताकत से करने और अभियानों को तेज करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है.

राज्यसभा में चौंकाने वाला चेहरा ला सकती है बीजेपी? सरोज पांडेय का खत्म हो रहा है कार्यकाल

छत्तीसगढ़ की एक सीट का कार्यकाल पूरा हो रहा है. छत्तीसगढ़ से बीजेपी सांसद सरोज पांडेय का कार्यकाल पूरा हो रहा है. ऐसे में बीजेपी एक बार फिर से सरोज पांडेय को भेजेगी या कोई नया चेहरा उतारा जा सकता है. नामांकन की आखिरी तारीख 15 फरवरी है.

रायपुर: भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा चुनाव का ऐलान कर दिया है. राज्यसभा की 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को वोटिंग होगी. इन 56 सीटों में से एक सीट छत्तीसगढ़ की भी है. यहां से बीजेपी की दिग्गज नेत्री सरोज पांडेय राज्यसभा सांसद हैं. चुनाव आयोग के अनुसार जिन सीटों पर चुनाव होना है, उनका कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है. राज्यसभा सांसद के लिए जो चुनाव होने हैं उसके लिए नामांकन की आखिरी तारीख 15 फरवरी तय की गई है. छत्तीसगढ़ की राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय का भी कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो जाएगा.

ऐसे में बीजेपी किसे राज्यसभा सांसद भेजने के लिए दांव लगाती है, देखना दिलचस्प होने वाला है. इसके साथ ही यह भी रोचक होगा कि सरोज पांडेय को बीजेपी क्या फिर से राज्यसभा भेजेगी या फिर किसी नए चेहरे को मौका मिल सकता है. अटकलें यह भी लगाई जा रही हैं कि सरोज पांडेय को पार्टी लोकसभा का चुनाव लड़ा सकती है. सरोज पांडेय के कोरबा से लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं. ऐसे में बीजेपी किसी नए चेहरे को राज्यसभा भेज सकती है.

बीजेपी की चौंकाने वाली रणनीति

विधानसभा चुनाव को लेकर और उसके बाद भी छत्तीसगढ़ में बीजेपी चौंकाने वाली रणनीति दिख रही है. विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश में कई ऐसे चेहरों को टिकट दिया गया जो कभी भी रेस में नहीं थे. इसके बाद विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने फिर सबको हैरान कर दिया था. बीजेपी ने नया प्रयोग करते हुए दो नेता अरुण साव और विजय शर्मा को डेप्युटी सीएम बना दिया. प्रदेश के राजनीतिक मामलों के जानकारों ने तब इसे सधी हुई कुशल राजनीति का नाम दिया.

राजनीतिक जानकारों का कहना था कि अपने इस फैसले के साथ भाजपा ने हर वर्ग को साथ लिया है. अब बारी राज्यसभा चुनाव की है ऐसे में कयास यही लगाए जा रहे हैं कि भाजपा अपनी नई रणनीति से सबको चौंका सकती है.

कौन हैं सरोज पांडेय

साल 2018 में सरोज पांडेय को राज्यसभा सांसद चुना गया था. सरोज पांडे ने कांग्रेस के प्रत्याशी लेखराम साहू को हराकर जीत दर्ज की थी. सरोज पांडेय 22 जून 1968 को छत्तीसगढ़ के भिलाई में श्यामजी पांडे और गुलाब देवी पांडे के घर जन्मीं. पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण कीं. पहली बार साल 2000 और 2005 में दूसरी बार दुर्ग की मेयर बनीं. साल 2008 में पहली बार वैशाली नगर से विधायक चुनी गईं. इसके बाद बीजेपी ने साल 2009 के लोकसभा चुनाव में दुर्ग संसदीय सीट से जीत हासिल की. 2013 में, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं. साल 2014 का लोकसभा चुनाव भी लड़ा, लेकिन कांग्रेस के ताम्रध्वज साहू से हार गईं. बीजेपी ने उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाया और मार्च 2018 में राज्यसभा के लिए चुना गया.

मोबाइल पर घंटों समय बिताने से युवा बन रहे दिल के मरीज

लखनऊ. मोबाइल पर घंटों काम करने से युवाओं के दिल की सेहत बिगड़ रही है. 20 से 30 साल का युवा बुजुर्गों को होने वाली दिल की बीमारियों की चपेट में आ रहा है. इनमें घबराहट, ब्लड प्रेशर, हाईपरटेंशन, कोलेस्ट्रॉल, धड़कन बढ़ने जैसी दिक्कतें शामिल हैं. पीजीआई कार्डियोलॉजी विभाग के सर्वे में यह तथ्य सामने आए हैं.

पीजीआई के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नवीन गर्ग ने बताया कि दिल की बीमारी हमारी जीवन शैली से जुड़ी हुई है. इसके लिए काफी हद तक मोबाइल जिम्मेदार है. छह माह में 18 से 40 वर्ष के भीतर के करीब 200 मरीजों पर अध्ययन किया गया. इनमें 20 छात्र और नौकरी पेशा व व्यवसाय वाले 80 फीसदी युवा हैं.

घूमना-टहलना भी बंद

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नवीन गर्ग ने बताया कि मोबाइल की लत ने जीवन शैली प्रभावित की है. चलना, घूमना, टहलना बंद हो गया. युवाओं ने बताया कि पैदल चलना तो लगभग बंद है. घर से जहां भी जाना होता है, वाहन से जाते हैं. सर्वे में 60 फीसदी युवाओं ने बताया कि ज्यादातर बाहर का खाना खाते हैं. इनमें फास्ट फूड ज्यादा होता है. देर रात तक मोबाइल देखने के साथ ही भोजन करते हैं. सुबह देर से उठते हैं. मोटापा बढ़ने से दिल की परेशानी बढ़ी है.

डॉ. नवीन गर्ग ने बताया कि सर्वे के दौरान युवाओं से मोबाइल, लैपटॉप के इस्तेमाल से लेकर दिनचर्या से जुड़े सवाल पूछे गए. युवाओं ने बताया कि दिन की शुरुआत ही मोबाइल से होती है. मेल, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम समेत दूसरी चीजें देखते हैं. मल्टीनेशनल कम्पनियों, व्यवसाय से जड़े युवाओं ने कहा कि लैपटाप पर रोज औसतन आठ घंटे काम करते हैं.

सुबह हो या शाम... इनके जीवन में है बस राम-राम-राम

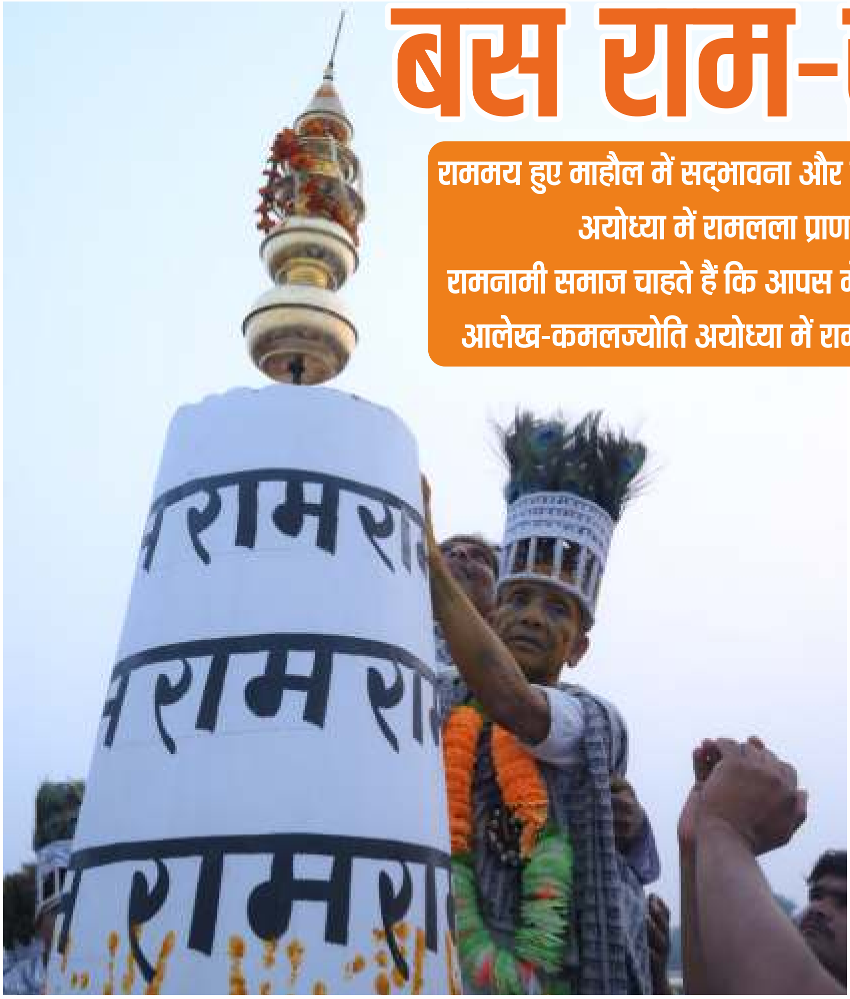

राममय हुए माहौल में सद्भावना और मानवता का संदेश दे रहा रामनामी मेला
अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा पर इन्हें भी हैं खुशी
रामनामी समाज चाहते हैं कि आपस में भाईचारा बढ़े, समाज में भेदभाव दूर हो
आलेख-कमलज्योति अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा पर इन्हें भी हैं खुशी

सुबह का सूरज आज बादलो में कही गुम था...रात बारिश हुई थी और भीगी-भीगी मौसम के बीच हजारों लोगों का हुजूम जिस ओर आकर्षित हो रही थीं... वह शायद उनकी श्रद्धा और विश्वास ही था...जो इस धरती के ऐसे राम को देखने आए जा रहे थे... जो किसी मंदिर में नहीं... अपितु इनके जीवन में सदैव समाहित है. बेशक यह रामनामी है और न सिर्फ इनका चोला..शरीर का हर हिस्सा राम...राम...राम...के अक्षरों से नस-नस में विद्यमान है.

शरीर पर श्वेत परिधानों के साथ मोह, माया, लोभ, काम, क्रोध और व्यसनों को त्याग कर सबको भाई-चारे के साथ बिना किसी भेदभाव के शांतिपूर्ण तरीके से जीवनयापन का संदेश भी देते हैं. छत्तीसगढ़ के नवगठित जिले सक्ती के जैजैपुर विकासखंड में रामनामी समुदाय का तीन दिवसीय बड़े भजन का मेला नई पीढ़ी और पहली बार देखने वालों के लिए जहाँ कौतूहल का केंद्र बना है, वहीं इसके विषय में पहले से जानने और समझने वालों के लिए यह सम्मान और गौरव से कम नहीं.... अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा से राममय हुए माहौल के बीच रामनामी समुदाय का बड़े भजन का यह मेला भी सद्भावना और मानवता का संदेश दे रहा है.

अपने राम के प्रति अगाध,अथाह प्रेम और अटूट आस्था की यह गाथा हकीकत में कही विराजमान है तो वह छत्तीसगढ़ के रामनामी समुदाय ही हैं. भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में रामनामी समुदाय का पादुर्भाव कई उपेक्षाओं, तिरस्कारो और संघर्षों की दास्तान है, जो 160 वर्ष से अधिक समय पहले अपनी आस्था पर पहुँची चोट के साथ इस रूप में जन्मी कि आने वाले काल में इन्हें अपनाने और मानने वालों की संख्या बढ़ती चली गई. वह दौर भी आया जब रामनामी समुदाय अपनी तपस्या और सादगी को अपनी उपासना के बलबूते साबित करने में सफल हुए.

इनका मानना है कि उनका राम तो हर जगह मौजूद है, वे अपने राम को कही ढूंढते भी नहीं.. न ही अपने शरीर पर राम... राम लिखवाने से परहेज करते हैं. रामनामी समाज के गुलाराम रामनामी बताते हैं कि उनका यह आयोजन सन 1910 से होता आ रहा है. जैजैपुर का आयोजन 115वां वर्ष है. साल में एक बार यह आयोजन बड़े भजन मेला के रूप में निरंतर किया जाता है. उन्होंने बताया कि रामनामी को कोई भी समाज और धर्म के लोग अपना सकते हैं,लेकिन उन्हें सदाचारी, शाकाहारी और

नशे आदि से दूर रहते हुए मानवता के प्रति प्रेम को अपनाना होगा. उन्होंने यह भी बताया कि रामनामी अपने शरीर पर राम... राम लिखवाने के साथ ही कभी सिर पर केश नहीं रखते, महिला हाथों में चूड़ी या गले में माला भी नहीं पहनती. शरीर पर राम ही राम धारण होता है और यह प्राण त्यागने के पश्चात भी मिट्टी में दफन होते तक आत्मसात रहता है.

82 साल के रामनामी तिहारु राम ने बताया कि उनकी पत्नी फिरतीन बाई और उन्होंने चार दशक पहले ही राम को अपने जीवन और शरीर में आत्मसात किया है. एक साल पहले वे अयोध्या भी गए थे, इस बार रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रण आया था. यहाँ से रामनामी गए हैं और खुशी व्यक्त करते हुए कहते हैं कि सभी की कामना है कि जाति-पाति, ऊंच-नीच खत्म हो तथा समाज में भाईचारे के साथ सद्भावना का विकास हो.

रामनामी समाज में महिला और पुरूष में कोई भेदभाव नहीं होने की बात कहते हुए तिहारु राम बताते हैं कि वे लोग मूर्तिपूजा नहीं करते, रामायण का पाठ करते हैं और अपने राम का जाप करते हुए मानवता का संदेश देते हैं. लगभग 80 साल के रामभगत, 75 साल की सेतबाई ने भी शरीर पर राम..राम गुदवाया है. वे कहते हैं कि यहीं राम उनकी आस्था है और प्रेरणा भी.. .. यह अमिट लिखावट उन्हें कभी भी किसी के प्रति दुराचार या गलत आचरण की ओर नहीं ले जाती.

कलश यात्रा के साथ श्वेत ध्वज चढ़ाकर मेले का किया गया शुभारंभ

ऐतिहासिक और गौरवान्वित करने वाला रामनामी मेला,बड़े भजन का मेला किसी पहचान का मोहताज नहीं है. आज 115वां मेला का शुभारंभ सक्ती जिले के जैजैपुर ब्लॉक मुख्यालय में हुआ. इस दौरान आसपास सहित दूरदराज गांवों से बड़ी संख्या में रामनामी समाज के लोग और ग्रामीण पहुँचे. गाँव के मदन खांडे के निवास से पूजा अर्चना के पश्चात धान से राम.. राम लिखकर कलश यात्रा निकाली गई, जो कि गाँव के प्रमुख गलियों से होकर मेला स्थल बरछा में छतदार जैतखाम तक पहुँची. यहाँ ध्वज चढ़ाने के साथ ही भजन-आरती की गई. सिर पर मोरपंख के साथ मुकुट धारण किए रामनामी को अपने आराधना और आराध्य देव राम के भक्ति भावना में लीन होकर चलते हुए देखकर लोगों के मन में राम के प्रति श्रद्धा और विश्वास और भी कायम होता नजर आया.

खींचे चले आते हैं मेले में और फिर आना चाहते हैं ग्रामीण

रामनामी मेला हर साल किसी न किसी गाँव में होता आ रहा है. इस मेले में एक बार आने वाले समय मिलते ही दोबारा जरूर आते हैं. अब तक आठ बार रामनामी मेले में आ चुकी वृद्धा कचरा बाई कहती है कि मुझे यहां आकर बहुत ही खुशी की अनुभूति महसूस होती है. कौशल्या चौहान बताती है कि वह तीसरी बार इस मेले में आई है. दिल्ली से आये सरजू राम ने बताया कि वह कई मेले में शामिल हो चुका है. यह मेला सभी समाज को जोड़ने और मानवता को बढ़ावा देने के संदेश को विकसित करता है. मेला समिति के अध्यक्ष केदारनाथ खांडे ने बताया कि दूरदराज से आए ग्रामीण मेला में पूरे तीन दिन तक ठहरते भी हैं, यहाँ लगातार भंडारा भी चलता रहता है. इस दौरान राम...राम..राम की आस्था उन्हें दोबारा आने के लिए उत्सुक भी करती है.

गाँव के ही दंपति द्वारा दान भूमि में बनाया गया है छतदार जैतखाम

भगवान राम के लिए अपनी जीवन समर्पित करने वाले रामनामी समुदाय का यह मेला वास्तव में समाज को जोड़ने और मानवता को विकसित करने वाला होता है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है कि गाँव के अनेक लोग जो अन्य समाज के है उन्होंने अपनी कीमती भूमि छतदार जैतखाम के निर्माण के लिए दान की. गांव के पंचराम चंद्रा और श्रीमती लकेश्वरी चंद्रा ने मेला स्थल पर भूमि दान की है वहीं अन्य ग्रामीण भी है,जिन्होंने नि:स्वार्थ अपनी कीमती जमीन दान की है.

1910 में ग्राम पिरदा में आयोजित किया गया था पहली बार मेला

रामनामी बड़े भजन का मेला,संत समागम का आयोजन वर्ष 1910 से लगातार आयोजित किया जा रहा है. पौष शुक्ल पक्ष एकादशी से त्रयोदशी तक 3 दिवस चलने वाले इस मेले में भजन और 24 घण्टे राम नाम जाप किया जाता है. पैरो में घुँघरू के साथ राम..राम लय में गाते हुए नृत्य करते है और मेले की शोभा को बढ़ाते हुए रामनाम के संदेश को सभी के मन में समाहित करने कामयाब भी होते हैं.

आलेख-कमलज्योति
रायपुर.

मैं जिंदा हूं, मैंने नाटक किया था : पूनम पांडे

मुंबई, 3 फरवरी : सर्विकल (ग्रीवा संबंधी) कैंसर से मौत की पूनम पांडे 3 फरवरी शनिवार को सोशल मीडिया पर नजर आईं और उन्होंने कहा कि वह श्जीवितश हैं. पूनम पांडे (32) ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, 'मुझे आप सभी के साथ कुछ महत्वपूर्ण बातें साझा करने के लिए मजबूर होना पड़ा. मैं यहां हूं जीवित हूं. मुझे सर्विकल कैंसर नहीं हुआ है लेकिन दुखद रूप से इसने हजारों महिलाओं की जान ली है जिनके पास इस बीमारी से निपटने के बारे में जानकारी नहीं है.' अपने बयानों से 2011 में चर्चा में आने वाली अभिनेत्री ने कहा कि वह इस बीमारी के बारे में अहम जानकारी प्रसारित और यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि हर एक महिला को इस बीमारी से निपटने के बारे में पता हो. उन्होंने पोस्ट में कहा, 'आइए मिलकर इस बीमारी के विनाशकारी असर और सर्विकल कैंसर से मौत को खत्म करें.'

टीवी स्टार्स ने बताया 'पब्लिसिटी स्टंट, कहा - 'शर्म करो'

मौत की खबर फैलाने के बाद कंट्रोवर्शियल एक्ट्रेस मॉडल पूनम पांडे ने कहा कि वह जिंदा हैं और यह सब उन्होंने सर्विकल कैंसर के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए किया था. जब उनके सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए 32 साल की उम्र में सर्विकल कैंसर से पीड़ित होने पर बयान जारी किया गया, तो हर कोई हैरान रह गया. कंगना रनौत, जिनके शो लॉक अप ने पूनम पांडे को रियलिटी टीवी स्टार का दर्जा दिया, उनकी मौत पर शोक जताने वाली पहली महिला थीं. एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, 'यह बहुत दुःखद है, एक यंग लड़की को कैंसर से खोना विभिषिका है. ओम शांति!' रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी में पांडे के साथ काम करने वाली संभावना सेठ ने कहा कि उन्होंने उन्हें कभी नहीं बताया कि उन्हें सर्विकल कैंसर है. एक्ट्रेस द्वारा मौत की झूठी खबर की पुष्टि करने के बाद लोगों ने इसे एक पब्लिसिटी स्टंट करार दिया. अभिनेत्री पायल घोष ने कहा, 'कुछ लोगों को जागरूकता के नाम पर इस तरह के स्टंट करना मजाक लगता है. सर्विकल कैंसर से पीड़ित लोगों को नर्क का जीवन जीना पड़ता है, लेकिन कुछ लोग इसे पीआर के लिए इस्तेमाल करना अपना अधिकार समझते हैं! दुःखद.' पूनम के दोस्त और डिजाइनर रोहित के. वर्मा ने उनकी लेटेस्ट वीडियो पर कमेंट किया और लिखाः 'सर्विकल कैंसर के प्रति जागरूकता को फैलाना महत्वपूर्ण है, लेकिन मौत की झूठी कहानी बनाना भ्रामक हो सकता है, आइए जागरूकता बढ़ाने और इस गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों का समर्थन करने के लिए अधिक जिम्मेदार तरीकों को अपनाएं.' पांडे की 'लॉक अप' की को-स्टार सायशा शिंदे ने कहा, 'फेक सिंपैथी लेकर आप कभी जागरूकता हासिल नहीं कर सकते. आपने एक दोस्त को हमेशा के लिए खो दिया है. आपको शर्म आनी चाहिए.' पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट श्रीजिता डे ने भी पांडे की आलोचना की. उन्होंने कहाः 'यह जागरूकता पैदा करने का कोई तरीका नहीं है. यह बेहद गलत है. शर्म करो... ऐसे बहुत से लोग हैं जो वास्तव में कैंसर से लड़ रहे हैं. ये घटिया है.'

छत्तीसगढ़ के कण-कण में बसे हैं प्रभु श्रीराम

अयोध्या में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश में खुशी और उमंग का वातावरण है. प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में भी उत्सव और आनंद का माहौल है. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर इस ऐतिहासिक पल की यादों को संजोने के लिए पूरे छत्तीसगढ़ में 22 जनवरी को रामोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. दरअसल प्रभु श्रीराम के वनवास काल की यादें आज भी छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में बिखरी हुई हैं. इन स्मृतियों को संजोने का काम किया जा रहा है. यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि छत्तीसगढ़ की कण-कण में राम बसते हैं.

श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर छत्तीसगढ़ में जगह-जगह आयोजन हो रहे हैं. मंदिरों की साफ-सफाई, मानस गान सहित मंदिरों में भण्डारे जैसे आयोजन किए जा रहे हैं. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के लोगों से 22 जनवरी को दीपोत्सव का आयोजन की अपील की है. छत्तीसगढ़ में माता शबरी की नगरी, शिवरीनारायण और माता कौशल्या की नगरी चंदखुरी में भव्य रामोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. पूरे मंदिर परिसर की आकर्षक सजावट की गई है. इस मौके पर दीपोत्सव का आयोजन भी किया जा रहा है. प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर छत्तीसगढ़ के हर घर में अपार उत्साह और उमंग का माहौल है. लोग स्वस्फूर्त ढंग से अपने घरों की सजावट कर रहे हैं.

प्रभु श्रीराम का छत्तीसगढ़ से गहरा नाता रहा है. ऐसी मान्यता है कि त्रेतायुग में छत्तीसगढ़ को दक्षिण कोसल के नाम से जाना जाता था, संभवतः इसी आधार पर श्री राम को कोशलाधीश कहा जाता है. दक्षिण कोसल को ही श्रीराम का ननिहाल कहा जाता है. प्रभु श्रीराम ने वनवास काल का अधिकांश समय यहीं बिताया इसकी स्मृति चिन्ह भी अनेक स्थानों पर मौजूद हैं. यह भी मान्यता है कि बलौदाबाजार के तुरतुरिया स्थित वाल्मीकि आश्रम में माता सीता ने पुत्र लव और कुश को जन्म दिया था. श्रीराम के पुत्र कुश की राजधानी श्रावस्ती (वर्तमान में सिरपुर, जिला महासमुन्द) में होने के प्रमाण विभिन्न ग्रंथों में मिलते हैं. सिहावा क्षेत्र को सप्तऋषियों की तपोभूमि कहा जाता है. जनश्रुतियों के अनुसार सिहावा के प्राचीन मंदिर कर्णेश्वर मंदिर का संबंध त्रेतायुग से बताया जाता है.

पूरे देश में संभवतः छत्तीसगढ़ ही ऐसा राज्य है जहां लोग अपने भांजे के पैर छूकर प्रणाम करते हैं. कहा जाता है कि दक्षिण कोसल श्रीराम का ननिहाल होने के कारण उन्हें समूचे छत्तीसगढ़ का भांजा माना जाता है और यहां के लोग प्रभु श्री राम को श्रद्धा पूर्वक प्रणाम करते हैं. इसी कारण यहां के लोग अपने भांजे को श्रीराम का स्वरूप मानते हुए प्रणाम करते हैं और यह परिपाटी पूरे प्रदेश में है.

रामचरित मानस के बालकांड, किष्किंधा कांड और अरण्यक कांड में त्रेतायुग के ऋषि मुनियों को सताने वाले, उनके यज्ञ का ध्वंस करने वाले राक्षसों का वर्णन है. वनवास काल में ही इन्हीं राक्षसों का वध प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण द्वारा किए जाने का उल्लेख है. तत्कालीन दंडक क्षेत्र वर्तमान में बस्तर संभाग के अधिकांश जिलों में सम्मिलित है.

वनवास के दौरान माता सीता का अपहरण किए जाने के पश्चात उनकी खोज में प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण वन में यत्र तत्र भटकते रहे. इसी बीच उनकी भेंट शबरी माता से हुई, जिनके जूठे बेर प्रभु ने ग्रहण किए. शिवरीनारायण मंदिर (जिला जांजगीर) में स्थापित मंदिर में इसके अनेकों प्रमाण उपलब्ध हैं. मंदिर प्रांगण में एक अतिप्राचीन बरगद का पेड़ है जिसके पत्ते आज भी दोना के आकार में मुड़े हुए हैं. ऐसी मान्यता है कि शबरी ने इसी पेड़ के पत्तों से दोना बनाकर प्रभु श्रीराम को जूठे बेर परोसे थे. यहीं समीप के ग्राम खरौद में लक्ष्मणेश्वर मंदिर है जहां राम के अनुज लक्ष्मण ने शक्ति बाण के दुष्प्रभाव से मुक्त होने यहां स्थित प्राचीन शिवलिंग पर चावल के एक लाख साबूत दाने चढ़ाए थे.

इसके बाद वे मेघनाथ के द्वारा चलाए गए शक्ति बाण के प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो गए. सरगुजा की सीताबेंगरा की गुफा को विश्व की सबसे प्राचीनतम नाट्यशाला माना जाता है. इस गुफा का इतिहास प्रभु श्री राम के वनवासकाल से जुड़ा है. कहा जाता है कि वे माता सीता और लक्ष्मण ने वनवास के समय उदयपुर ब्लॉक अंतर्गत रामगढ़ की पहाड़ी और जंगल में समय व्यतीत किया था. रामगढ़ के जंगल में तीन कमरों वाली एक गुफा भी है जिसे सीताबेंगरा के नाम से जाना जाता है. सीताबेंगरा का शाब्दिक अर्थ है सीता माता का निजी कक्ष. भरत मुनि के नाट्यशास्त्र में इस बात का उल्लेख मिलता है कि इस जगह पर विश्व की सबसे प्राचीनतम नाट्यशाला है, जहां पर उस समय लोग नाटकों का यहां मंचन किया करते थे. यह भी मान्यता है कि त्रेता युग में प्रभु श्री राम का खल्लारी (वर्तमान में जिला महासमुन्द) आगमन हुआ था, इस स्थान को द्वापर युग में खलवाटिका नगरी के नाम से जाना जाता था. यह भी मान्यता है कि प्रभु श्रीराम जिस नाव से यहां आए थे, अब वो पत्थर में तब्दील हो चुका है, और वो वैसा का वैसा ही है.

आलेख-ताराशंकर सिन्हा

विदेशी पर्यटकों को लुभा रही कोण्डागांव की सुंदरता

मावा कोंडानार पर्यटन सर्किट का आनंद लेने पहुंच रहे देश विदेश के पर्यटक

कोण्डागांव. कोण्डागांव अपने आप में ढेरों प्राकृतिक संसाधनों के साथ अमूल्य सांस्कृतिक एवं पारम्परिक कलाओं को समेटे हुए है. यहां की संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्यता अपने आप में विलक्षण है. इन सभी संसाधनों से पूर्व में पूरा विश्व अनभिज्ञ था. जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा जिले में मावा कोंडानार पर्यटन सर्किट का विकास किया गया है. इस सर्किट के बन जाने से जिले में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है. जहां एक वर्ष में टाटामारी में 01 लाख से अधिक लोगों ने टाटामारी के विहंगम दृश्यों का आनंद लिया है. वहीं विदेशों से आये 50 से अधिक पर्यटकों ने यहां की सुंदरता का आनंद लिया है.

फ्रांस से आयी पर्यटक क्लेयर ने बताया कि उन्होंने दो बार टाटामारी और कोण्डागांव का भ्रमण किया है. पहली बार जब अपने दोस्तों के साथ आयी तो उन्हें यहां की प्राकृतिक खुबसूरती इतनी अच्छी लगी की जब अपनी मां को भी इसके संबंध में बताया तो वे भी मेरे साथ कोण्डागांव का भ्रमण करने आयी थी.

फ्रांस के ही अल्बाने एवं गेल ने बताया कि वे इससे पहले कई स्थानों पर गये हैं परंतु कोण्डागांव में आदिम परम्परा और यहां के लोगों की सादगी उन्हें बहुत पसंद आयी. आदिवासी लोगों से मिलकर एवं उनकी दिनचर्या को पास से देखने का मौका मिला जिससे उन्हें बहुत खुशी मिली.

फिनलेंड के थॉमस, निकोडेम, टोपीयाज ने कहा कि कोण्डागांव में स्थानीय युवाओं द्वारा हमें ट्रेकिंग करते हुए जलप्रपातों, वनस्पतियों को देखना एवं प्रकृति के बीच प्राकृतिक माहौल में मांझिनगढ़ के ऊपर कैम्पिंग करने का अनुभव अपने आप में अनुठा था. उन्हें यहां आकर बहुत खुशी महसूस हुई.

युवाओं के बीच सीविल सेवाओं की तैयारी हेतु प्रसिद्ध असिस्टेंट प्रोफसर एवं कांउसलर डॉ. विजेन्द्र सिंह चौहान हाल ही में बस्तर के प्रवास पर थे उन्होंने ने अपने प्रवास की शुरूवात कोण्डागांव जिले के टाटामारी पर्यटन स्थल से की जैसे ही वे टाटामारी पहुंचे टाटामारी के प्राकृतिक सौदर्य एवं विहंगम दृश्य को देखकर मंत्र मुग्ध हो गये और वे अपने आप को वहां की सौदंर्यता का वीडियो बनाने से नहीं रोक पाये और एक ट्रेवल व्लागर की तरह अपने सोशल मीडिया के माध्यम से यहां की सुंदरता को वर्णित करते हुए कहा कि अक्सर बस्तर को अशांति से जोड़ा जाता है पर टाटामारी को देखकर आप इसकी तुलना केवल स्वर्ग से कर सकते हैं.

जगदलपुर से कोण्डागांव घुमने आये 36 सदस्यी दल के महेश ने बताया कि उनके कार्यालय वर्म फाईनेंश के सभी लोगों ने जब कोण्डागांव में घुमने का सोचा तो उन्हें इसकी खुबसूरती का अंदाजा नहीं था. यहां सभी ने ट्रेकिंग के साथ मांझिनगढ़ के दृश्यों का आनंद लिया. जो अभूतपूर्व था.

इसी प्रकार नये साल के उत्सव में लिमदरहा में कैम्पिंग कर लोगों ने चंद्रमा एवं तारों को टेलीस्कोप की सहायता से देखा. विगत एक वर्ष में टाटामारी जहां एकेले 01 लाख से अधिक पर्यटक आये वहीं कुंएमारी जलप्रपात को देखने 97 हजार, होनहेड़ जलप्रपात में 72 हजार पर्यटक देखने को जिससे स्थानीय लोगों को भी आजीविका का नया साधन प्राप्त हुआ है.

कोण्डागांव को शिल्प नगरी के रूप में जाना जाता है. इसे पर्यटन क्षेत्र में पहचान दिलाने के लिए समय समय पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. जिसमें कोण्डागांव हस्तशिल्प महोत्सव, जल जगंल यात्रा, कोण्डागांव एडवेंचर फेस्टिवल, फायर फ्लाई ट्रेल, हेरिटेज वॉक, स्टार गेजिंग फेस्टिवल, भंगाराम यात्रा, मांझिनगढ़ वन महोत्सव, फ्रिडम ट्रेक आदि आयोजन कराया जा चुका है.

क्या है मावा कोंडानार सर्किट

कोण्डागांव जिले में पर्यटन की क्षमता के विकास के द्वारा स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान करने के लिए उन्हें पर्यटकों के लिए टूर गाईड, हॉस्पिटालिटी एवं अन्य क्षेत्रों में कार्य करने हेतु अवसर प्रदान किया जा रहा है. स्थानीय महिला समूहों को पर्यटन क्षेत्रों के निकट जलपान व्यवस्था द्वारा रोजगार उपलब्ध कराये जा रहे हैं. इस सर्किट में घुमाने हेतु स्थानीय युवाओं के पर्यटन समूहों द्वारा दो दिन तक का पैकेज तैयार किया गया है. जिसमें टाटामारी में विश्राम, नाइट कैम्पिंग, स्टॉर गेजिंग, स्टोरी टेलिंग, बोन फायर, हर्बल टी, पारम्परिक आदिवासी भोजन, सुर्योदय का विहंगम दृश्य, मांझिनगढ़ में आदिम काल के शैल चित्र सुर्यास्त का विहंगम दृश्य के अतिरिक्त कुएंमारी, लिंगोदरहा, ऊपरबेदी एवं होनहेड़ जैसे सुंदर जलप्रपातों का भ्रमण कराया जाता है. इस सर्किट के माध्यम से यहां के स्थानीय 40 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं 200 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है. इस सर्किट में पर्यटन हेतु ऑनलाइन बुकिंग केशकाल ईको टुरिजम की वेबसाइट https://www-keshkalecotourism-in/ पर जाकर कराया जा सकता है.

मोबाइल के शिकंजे में हम

एक रिपोर्ट आपको चौंकाएगी कि हम अपने दिन के औसतन पांच घंटेफोन पर बिताते हैं. वास्तविक जिंदगी में ऐसे उदाहरण दिखना भी आम है. वहीं डॉक्टर कहते हैं कि कई सारी सहूलियतें देने वाली ये स्मार्ट डिवाइस आलसी से लेकर रोगी तक बना सकती है. लेकिन, हम इसे छोड़ने की कल्पना से ही बदहवास हो उठते हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पर विशेषज्ञों की क्या है राय, बता रही हैं किरण मिश्रा.

वायरल हुआ एक मैसेज मोबाइल फोन से पैदा हुई परेशानियों को खूब बयां करता है. मैसेज कुछ यूं था–'मैं मंजू गुप्ता, मुझे एहसास हुआ कि मेरे परिवार वाले मुझसे ज्यादा अपने मोबाइल के करीब हो गए हैं. मेरे बच्चे लाइक्स के लिए पागल हैं. इसलिए मैं अपने परिवार के लिए नियम बना रही हूं कि सब लोग सुबह उठते ही फोन नहीं, सूर्य देवता के दर्शन करेंगे. सबको एक साथ डायनिंग टेबल पर ही खाना होगा और फोन हमेशा टेबल से 20 कदम दूर रहेगा. बाथरूम जाते वक्त भी सब अपने फोन बाहर रखेंगे.... यदि कोई नियम तोड़ता है, तो वो एक महीने तक बाहर से खाना नहीं मंगा सकेगा.'

एक ऐसी ही दूसरी खबर भी दिलचस्प लगेगी, जिसमें अमेरिका की एक योगर्ट कंपनी सिग्गी ने लोगों को एक चौलेंज के तहत अपना फोन एक महीने तक बंद रखने और दुनिया के साथ जुड़ने के लिए आठ लाख रुपये की पेशकश की.

दरअसल, मोबाइल फोन है ही ऐसी चीज. 1995 में पहली बार भारत में शुरू हुई मोबाइल सेवा ने हमें कहां से कहां पहुंचा दिया है. आज इस छोटे से डिब्बे में पढ़ाई, शॉपिंग, बैंकिंग, फोटोग्राफी करने से लेकर मनोरंजन जैसे कई करिश्मे अंजाम दिए जा सकते हैं. बड़ी ही स्मार्टनेस के साथ ये मोबाइल फोन सहूलियतें देने की कीमत पर हमारी जिंदगी से बहुत कुछ छीन भी रहा है, और हमें इसका अहसास ही नहीं हो रहा.

क्या खोते जा रहे हैं हम

वेलनेस कोच रीना सिंह कहती हैं,'मोबाइल ने अलादीन के चिराग वाले जिन्न की तरह हमें बहुत कुछ दिया है, इसने हमारी जिंदगी में कई सारी सुविधाएं एक जगह लाकर रख दी हैं, लेकिन अपनी आदतों पर नियंत्रण न रख पाने की वजह से इसके कारण हम खो भी बहुत कुछ रहे हैं. शारीरिक और मानसिक सेहत ही नहीं, भावनात्मक स्तर पर भी. यहां मैं वायरल एक विज्ञापन का जिक्र करना चाहूंगी, जिसमें दिखाया गया है कैसे एक महिला अपने युवा बेटे से सोशल मीडिया पर खुद का अकाउंट बनाने के लिए आग्रह कर रही है, ताकि वह उससे ऑनलाइन चौटिंग कर सके. वजह, घर में होते हुए भी उससे उसके बेटे की बात नहीं हो पाती, क्योंकि वह हमेशा मोबाइल फोन पर लगा रहता है. अब आमतौर पर लोग बात करने के बजाय अपने मोबाइल स्क्रीन पर स्क्रोल करना पसंद करते हैं. मैंने बहुत से जोड़ों को रेस्तरां में एक-दूसरे से बात करने के बजाय अपने स्मार्टफोन में व्यस्त रहते देखा है. एक शोध में 74 फीसदी पेरेंट्स ने माना कि उनके स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग से बच्चों के साथ उनके रिश्ते

खराब हो रहे हैं. एक समाज के नाते, अगर हमने अपनी आदतों को सुधारा नहीं, तो यही स्मार्टफोन आपको बेवकूफ, असामाजिक और अस्वस्थ बना देगा.'

दिमाग को बना रहा आलसी

आप मानें या न माने, लेकिन अपने सभी जवाबों के लिए स्मार्टफोन पर ज्यादा निर्भरता मानसिक आलस्य का कारण बन सकती है. जर्नल मेमोरी में प्रकाशित एक शोध में इस बात की पुष्टि भी हुई है. वहीं एक सर्वे में शामिल लोगों को जब शोधकर्ताओं ने कठिन सवालों के जवाब गूगल पर देने की अनुमति दी, तो उन्होंने सरल सवालों के जवाब के लिए भी सर्च इंजन की ओर रुख किया. लंदन यूनिवर्सिटी के अनुसार, स्क्रीन पर बिताया गया समय आईक्यू को कम कर सकता है. वहीं जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में न्यूरो साइकियाट्री की क्लीनिकल डायरेक्टर सुसैन लेहमैन कहती हैं कि स्मार्टफोन चीजों को याद करने की हमारी दिमागी क्षमता में बाधा डालते हैं. जब आप इन उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं, तो आप अक्सर विषयों या बातचीत के बीच तेजी से स्विच कर रहे होते हैं. आपकी एकाग्रता में बार-बार हो रहे ये बदलाव किसी तथ्य या विचार को यादों में पर्याप्त रूप से दर्ज होने से रोकते हैं.

आभासी दुनिया बनाम परिवार

रीना सिंह कहती हैं कि आभासी दुनिया के भटकाव ने एक तरह से लोगों को उनके दोस्तों, परिवार और प्रियजनों से भी अलग किया है. एक शोध में पाया भी गया है कि 80 फीसदी माता-पिता तब भी अपना समय स्मार्टफोन पर बिताते हैं, जब वे अपने बच्चों के साथ होते हैं. वहीं एक सर्वे में शामिल 69 लोग मानते हैं कि जब वे अपने स्मार्टफोन में डूबे होते हैं, तो वे अपने बच्चों, परिवेश और लोगों का ध्यान खो देते हैं, जिसका असर उनके रिश्ते पर हो रहा है. अगर ऐसा नहीं होता, तो मोबाइल फोन से दूर होने पर किसी किशोर की आत्महत्या की खबर या इसके कारण पति-पत्नी में अलगाव की खबरें ना आतीं.

सेहत पर भारी ये लत

आज के समय में स्मार्टफोन एक चलता-फिरता कंप्यूटर है. इससे दूर रहने की कल्पना बेमानी है. लेकिन जरूरत से ज्यादा इससे चिपके रहना, सेहत को नुकसान भी पहुंचा रहा है. मोबाइल के ज्यादा प्रयोग से टनल विजन, डिजिटल आई स्ट्रेन, टेक्स्ट नेक जैसी समस्याएं हो रही हैं. ब्रिटिश न्यूरोसाइकोलॉजिस्ट डॉ. अल्वारो बिलबाओ कहते हैं कि छह साल से कम उम्र के बच्चे के हाथ में मोबाइल देकर हम उनसे उनकी क्रिएटिविटी और बचपन की स्मृतियों को मन में संजोकर रखने की क्षमता भी छीन रहे हैं. इससे उनमें डिप्रेशन, अटेंशन डेफिसिट डिसऑर्डर जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसके अलावा भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास पर भी इसका नकारात्मक असर हो रहा है.

चौंकाने वाली खबर यह भी है कि 2050 तक लोग स्मार्टफोन्स का इस्तेमाल बंद कर देंगे. इसकी जगह इंटरफेस के जरिये इंसानी दिमाग को इंटरनेट से कनेक्ट किया जाएगा. मतलब, किसी को कॉल करना हो, खाना ऑर्डर करना हो.., बस इस बारे में सोचिए और काम हो जाएगा. हालांकि फिलहाल स्मार्टफोन के शिकंजे से अपने दिमाग को बाहर निकालने की जरूरत है. वरना हम टेलीपैथी टेक्नीक से पहले ही रोबोट में बदल जाएंगे.

एसएसबी इंटरव्यू की प्रक्रिया जानकर करें तैयारी

सेना, नौसेना और वायु सेना अधिकारी बनने के लिए लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) इंटरव्यू से गुजरना पड़ता है. यह इंटरव्यू क्या है? इसमें आयोजित विभिन्न कार्य, परीक्षण व अन्य महत्वपूर्ण विवरण जानना बहुत महत्वपूर्ण है. कई उम्मीदवार नये होते हैं, इसलिए उन्हें एसएसबी इंटरव्यू प्रक्रिया के बारे में जानकारी नहीं होती है. वे नहीं जानते कि इंटरव्यू में क्या करें और क्या न करें. इससे समस्याएं आती हैं. इंटरव्यू का उद्देश्य उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, बुद्धिमत्ता, व्यक्तित्व और सशस्त्र बलों में काम के लिए फिटनेस का आकलन करना होता है. यह इंटरव्यू यूपीएससी के इंटरव्यू की तरह कठिन होता है. यह इंटरव्यू 5 दिनों तक चलता है. इसे पास करना काफी मुश्किल होता है. इंटरव्यू में शामिल होने के पहले आपको अत्यधिक तैयारी करनी होती हैं. बेहतर तैयारी से एसएसबी इंटरव्यू में भी सफलता प्राप्त की जा सकती है.

इंटरव्यू की ऐसे करें तैयारी

सामान्य सवाल जो अक्सर पूछे जाते है

- आप सेना/नौसेना/ वायु सेना में क्यों शामिल होना चाहते हैं?
- आपके लिए सेना/ नौसेना/वायु सेना क्या मायने रखती है?
- अब से आपकी पांच साल की योजना क्या है?
- इंटरव्यू के दौरान आपका समग्र अनुभव कैसा रहा?

इंटरव्यू का पांच दिवसीय शेड्यूल

उम्मीदवारों को एसएसबी केंद्र पर रिपोर्ट करना होता है. आमतौर पर बोर्ड अधिकारी उम्मीदवारों को स्टेशन से चयन केंद्र ले जाते हैं. इसके बाद, एक उद्घाटन भाषण होता है जहां बोर्ड का एक अधिकारी उन्हें अगले 5 दिनों के कार्यक्रम और नियमों के बारे में जानकारी देता है. इसके बाद दस्तावेज सत्यापन होता है. कुछ बोर्ड (विशेषकर वायु सेना) में रिपोर्टिंग दिवस को पहला दिन माना जाता है और परीक्षण उसी दिन से शुरू हो जाता है.

पहला दिन, स्क्रीनिंग

- पहले दिन सुबह 5-6 बजे शुरू हो जाता है. इसमें दो परीक्षण होते हैं 1-ऑफिसर इंटेलिजेंस रेटिंग टेस्ट (ओआईआर टेस्ट पेपर 1 और पेपर 2), 2 -चित्र धारणा एवं चर्चा परीक्षण (पीपीडीटी)
- ऑफिसर इंटेलिजेंस रेटिंग टेस्ट को अधिकारियों की खुफिया रेटिंग परीक्षण के रूप में भी जाना जाता है. इसमें मौखिक और गैर-मौखिक परीक्षण शामिल होते हैं. अभ्यर्थी को दो पुस्तिकाएं मिलती हैं जिनमें प्रत्येक में 40 प्रश्न होते हैं. प्रत्येक पम्फलेट के लिए 15-17 मिनट मिलता है.
- चित्र धारणा में एक छवि 30 सेकंड के लिए प्रदर्शित की जाती है और उम्मीदवारों को इसके विवरण जैसे लिंग, उम्र और पात्रों की मनोदशा, उनके द्वारा किए गए कार्य को नोट करना होगा. फिर अभ्यर्थी उस छवि के आधार पर 4 मिनट में एक कहानी बनाते हैं. समूह चर्चा में बैच से 10-15 उम्मीदवारों का एक समूह बनाया जाता है और प्रत्येक उम्मीदवार को अपनी कहानी सुनानी होती है. आम सहमति तक पहुंचने के लिए समूह में उस पर चर्चा करनी होती है.
- पीपीडीटी के बाद परिणाम घोषित किए जाते हैं. शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को परीक्षण के अगले दौर के लिए रखा जाता है. बाकी उम्मीदवारों को उनका टीए मिल जाता है और उन्हें रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड छोड़ दिया जाता है.

दूसरा दिन, मनोविज्ञान परीक्षण

एसएसबी के दूसरे दिन एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण आयोजित किया जाता है. इस दिन निम्नलिखित परीक्षण होते हैं

थीमैटिक एपेरसेप्शन टेस्ट (टीएटी) उम्मीदवारों को 12 पिक्चर्स दिखाई जाती हैं, और उन्हें 4 मिनट के लिए एक कहानी लिखनी होती है.

वर्ड एसोसिएशन टेस्ट (डब्ल्यूएटी) इस टेस्ट से साइकोलॉजिस्ट उम्मीदवारों की पर्सनालिटी जज करते हैं. उम्मीदवारों के सामने 15 सेकंड के लिए 60 शब्द प्रदर्शित किए जाते हैं. उन्हें एक वाक्य लिखना होता है जो शब्द देखकर उनके दिमाग में आता है.

स्थिति प्रतिक्रिया परीक्षण (एसआरटी) उम्मीदवारों को 30 मिनट में रोजमर्रा जीवन पर आधारित 60 सवाल करने होते हैं.

स्व-वर्णन परीक्षण (एसडीटी) इस टेस्ट में उम्मीदवार को लिखना होगा कि उनके माता-पिता, मित्र, शिक्षक और वो खुद अपने बारे में क्या राय रखते हैं. इसमें सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर ध्यान देना होता है. इस परीक्षण के लिए आवंटित समय 15 मिनट है.

तीसरा दिन, समूह परीक्षण- 1

तीसरे दिन समूह परीक्षण शामिल है. यहां कई आउटडोर परीक्षण आयोजित किए जाते हैं जहां उम्मीदवारों को समूहों में भाग लेने की आवश्यकता होती है. इस दिन निम्नलिखित समूह परीक्षण शामिल हैं-

समूह चर्चा (जीडी) समूह चर्चा दो विषयों पर एक के बाद एक कुछ समसामयिक घटनाओं या सामाजिक मुद्दों पर की जाती है. प्रत्येक बहस 20-30 मिनट की होती है.

समूह नियोजन अभ्यास (जीपीई) यहां उम्मीदवारों को 10-15 लोगों के समूह में शामिल किया जाता है और उन्हें विशिष्ट मुद्दों वाले मॉडल पर आधारित एक कहानी दी जाती है. उम्मीदवारों को मुद्दों की पहचान करने और उनके लिए एक व्यावहारिक समाधान प्रदान करने की आवश्यकता है.

प्रोग्रेसिव ग्रुप टास्क (पीजीटी) उम्मीदवारों को समूह में दी गई 4 बाधाओं को सामूहिक रूप से दूर करना होगा जिसके लिए उन्हें कुछ सामग्री और कुछ नियमों का भार दिया जाता है.

समूह बाधा दौड़ (जीओआर) आमतौर पर सांप दौड़ के रूप में जाना जाता है. प्रत्येक समूह को 6 दी गई बाधाओं के लिए दूसरे समूह के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी होती है.

हाफ ग्रुप टास्क (एचजीटी) यह पीजीटी की तरह है, लेकिन यह एक ही बाधा पर एक छोटे समूह के साथ होती है.

चौथा दिन, समूह परीक्षण-2

यह दिन फिर से ग्रुप टेस्टिंग को समर्पित है. इस दिन निम्नलिखित परीक्षण आयोजित किए जाते हैं

व्याख्यान अभ्यर्थियों को 4 विषय दिए जाते हैं, जिनमें से एक को चुनना होगा और उस पर 3 मिनट तक बोलना होगा.

व्यक्तिगत बाधाएं (आईओ) प्रत्येक अभ्यर्थी को 3 मिनट में 10 दी गई बाधाओं को दूर करना होगा.

कमांड टास्क (सीटी) प्रत्येक अभ्यर्थी को कमांडर बनाया जाता है और उसे हाफ ग्रुप टास्क के समान एक बाधा दी जाती है, जिसे अधीनस्थों की मदद से दूर करना होता है.

अंतिम समूह कार्य (एफजीटी) पूरे समूह को फिर से एकजुट किया जाता है और निर्धारित समय में प्रोग्रेसिव ग्रुप टास्क के समान सौंपे गए कार्य को पूरा करना जरूरी होता है.

व्यक्तिगत साक्षात्कार यह उम्मीदवार के मूल्यांकन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. साक्षात्कार आमतौर पर रोजमर्रा के अनुभवों, काम, शिक्षा, परिवार, शौक, शैक्षणिक उपलब्धियों, सामान्य जागरूकता आदि से संबंधित होते हैं.

पांचवां दिन, सम्मेलन

- आखिरी दिन मूल्यांकनकर्ता समापन भाषण के साथ शुरुआत करता है, फिर उम्मीदवारों का सम्मेलन शुरू होता है.
- एक बोर्ड सम्मेलन आयोजित किया जाता है जहां पिछले दिनों में उम्मीदवारों का मूल्यांकन करने वाले सभी अधिकारी उपस्थित होते हैं.
- प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता एक अभ्यर्थी की उपयुक्तता के संबंध में आपस में चर्चा करता है.
- प्रत्येक अभ्यर्थी व्यक्तिगत रूप से बोर्ड के समक्ष उपस्थित होता है, जहां उनका कुल मूल्यांकन सुनाया जाता है.
- सीमावर्ती उम्मीदवारों को कुछ परिस्थितियां दी जाती हैं, और एक सामूहिक निर्णय लिया जाता है.
- परिणाम घोषित होने के बाद, शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को मेडिकल परीक्षाओं के लिए रखा जाता है.

नियमित अभ्यास करें उम्मीदवारों को मनोवैज्ञानिक परीक्षण, समूह चर्चा और साक्षात्कार जैसे क्षेत्रों में अभ्यास और अपने कौशल को निखारने के लिए नियमित समय देना चाहिए. पर्याप्त अभ्यास करने से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि उम्मीदवारों को कठिन एसएसबी प्रक्रिया के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में भी मदद मिलती है.

सकारात्मक रहें उम्मीदवारों को समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार में आश्वस्त और सकारात्मक रहना चाहिए. इसके अलावा, उन्हें गलत उत्तर देने के बजाय उन प्रश्नों को छोड़ देना चाहिए जिनसे वे परिचित नहीं हैं. एसएसबी इंटरव्यू राउंड के दौरान अपने ड्रेसिंग सेंस, बॉडी लैंग्वेज, बैठने की मुद्रा, आंखों के संपर्क आदि का भी ध्यान रखना चाहिए.

न्यूज पेपर और करंट अफेयर्स पढ़ें अभ्यर्थियों को हर दिन न्यूज पेपर और करंट अफेयर्स पढ़ना चाहिए और दुनिया भर में सभी नवीनतम वर्तमान घटनाओं और विकास से परिचित होना चाहिए. यह इंटरव्यू में उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने में मदद करता है. करंट अफेयर्स क्विज को हल करें और संक्षिप्त नोट्स तैयार करें, क्योंकि यह अंतिम समय में रिवीजन में भी सहायक होगा.

संचार कौशल में सुधार करें प्रभावी संचार नेतृत्व की आधारशिला है.

जिन उम्मीदवारों के पास अच्छा संचार कौशल है, वे समूह चर्चा, समूह कार्यों आदि में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे. इसलिए, हर दिन 4-5 मिनट दर्पण के सामने खड़े होकर किसी विषय पर बोलने की सलाह दी जाती है. संचार कौशल को बढ़ाने से आपको अपने आगामी इंटरव्यू के लिए बहुत मदद मिलेगी.

नियमित व्यायाम करें उम्मीदवारों को बिना किसी असुविधा के शारीरिक फिटनेस परीक्षा पास करने के लिए फिट रहना चाहिए. इसके लिए उन्हें हल्की जॉगिंग शुरू करनी चाहिए और ध्यान, योग और सहनशक्ति बढ़ाने वाले व्यायाम करने चाहिए. शारीरिक फिटनेस बनाए रखना एसएसबी तैयारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि यह मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान आपके प्रदर्शन को सीधे प्रभावित करता है.

इन बातों का रखें ध्यान

- एसएसबी इंटरव्यू में अपनी हॉबी पता न हो तो कुछ झूठा लिखने की बजाय उसे खाली ही छोड़ दें.
- इंटरव्यू देने जाने से पहले ही तय कर लें कि आपकी मजबूती और कमजोरियां क्या हैं.
- इंटरव्यू में अक्सर दैनिक दिनचर्या से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं. कैंडिडेट फॉलो-अप क्वेश्चन में फंस जाते हैं, इसलिए जो पूछा जाए उसे सही-सही बताएं.

SBI Market Cap: शेयर बाजार में लंबी उड़ान, SBI का मार्केट कैप कई लाख बढ़ा

> देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में 4% से ज्यादा की तेजी देखी गई। एसबीआई का शेयर आज 4.19% की बढ़त के साथ 677.50 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने अपना ऑलटाइम हाई और 52 हफ्ते का हाई 677.95 रुपये भी बनाया. इस बढ़त के साथ एसबीआई का मार्केट कैप 6 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है.

एसबीआई ₹6 लाख करोड़ मार्केट कैप वाली दूसरी सरकारी कंपनी बन गई है

दिन का कारोबार खत्म होने के बाद एनएसई पर एसबीआई का मार्केट कैप 6. 02 लाख करोड़ रुपये हो गया. इसके साथ ही एसबीआई 6 लाख करोड़ रुपये का मार्केट कैप पार करने वाली दूसरी पीएसयू यानी सरकारी कंपनी बन गई है। एसबीआई से पहले एलआईसी ने यह कारनामा किया था.

एलआईसी का मार्केट कैप अब 6.62 लाख करोड़ रुपये है. कंपनी के शेयर आज 2. 34% की बढ़त के साथ 1,049.90 रुपये पर बंद हुए। एसबीआई के शेयरों ने पिछले 1 महीने में 8.05% और पिछले 6 महीने में 18% का रिटर्न दिया है। इसके शेयरों ने 1 साल में निवेशकों को 23% का रिटर्न दिया है।

सरकारी बैंकों के शेयरों में क्यों है उछाल?

हाल ही में अंतरिम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि केंद्र अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए 2024-25 में 14.13 लाख करोड़ रुपये उधार लेगा। वहीं, शुद्ध बाजार उधारी 11.75 लाख करोड़ रुपये तय की गई है। विश्लेषकों के मुताबिक यह 15 लाख करोड़ रुपये है.

इसके चलते बजट के दिन भी सरकारी बैंकों के शेयरों में तेजी देखी गई. इसके अतिरिक्त, बजट में पूंजीगत व्यय में वृद्धि के बाद कॉर्पोरेट ऋण गतिविधि में तेजी आने की उम्मीद है। इस वजह से भी सरकारी बैंकों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है.

उम्मीद की जा रही है कि भारतीय रिजर्व बैंक एक बार फिर कल 8 फरवरी को खत्म होने वाली अपनी मौद्रिक नीति समिति की बैठक के दौरान रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। अगर आरबीआई दरें घटाने का संकेत देता है तो बाजार में उछाल आ सकता है। इस कारक ने भी एसबीआई शेयरों के लिए सकारात्मक माहौल बनाया है।

Q3FY24 में SBI का शुद्ध लाभ ₹9,163 करोड़ रहा

एसबीआई ने 3 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे घोषित किए थे। Q3FY24 में बैंक का शुद्ध लाभ साल-दर-साल (YoY) 35% घटकर 9,163 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की समान तिमाही में यह 14,205 करोड़ रुपये था.

छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार पेश होगा पेपरलेस डिजिटल बजट

- वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के बजट ब्रीफकेस में है छत्तीसगढ़ के आदिम जनजाति कला की प्रसिद्ध पहचान "ढोकरा शिल्प" की झलक ।
- ब्रीफकेस पर भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर दिखा रही है विकसित भारत व विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना ।
- अमृतकाल के नींव का बजट व GREAT CG की थीम पर है बजट ।

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार का पहला बजट ऐतिहासिक रूप से चिर स्मरणीय होगा। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के द्वारा पेश किया जाने वाला यह बजट पेपर लेस होगा और छत्तीसगढ़ के इतिहास का पहला डिजिटल बजट होगा। इसके साथ ही इस बजट का ब्रीफकेस भी छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक संस्कृति, युवा, महिला और किसान एवं आधुनिकता के समावेश को दर्शाएगा।

वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी द्वारा आज विधानसभा में पेश किए जाने वाले बजट को जिस ब्रीफकेस में प्रस्तुत किया जा रहा है वो काफी खास है। यह ब्रीफकेस छत्तीसगढ़ के आदिम जनजाति के पारंपरिक सुप्रसिद्ध ढोकरा शिल्प को समेटे हुए है।

गौरतलब है कि हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्रीस के प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ की डोकरा कलाकृति भेंट की गई थी जिससे इस कला की पहचान अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची है।

श्री ओपी चौधरी के बजट ब्रीफकेस में भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो है जो यह दर्शा रही हैं कि विकसित भारत निर्माण में छत्तीसगढ़ प्रदेश का योगदान बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। ब्रीफकेस पर छत्तीसगढ़ शासन का लोगो जिसमे धान की बाली है, यह दर्शाती है कि यह किसान हितैषी सरकार है और किसानों के हित को सदैव प्राथमिकता में रखेगी।

इस ब्रीफकेस में छत्तीसगढ़ के मैप को स्वर्णिम रूप में दर्शाया गया है जो ये बताता है कि सरकार सुशासन के साथ छत्तीसगढ़ के युवा, महिला

व किसानों की आय में वृद्धि करने और छत्तीसगढ़ राज्य को देश में स्थापित करेगी।

इस ब्रीफकेस में अमृतकाल के यह दर्शाता है कि केंद्र की सभी जनता को निरंतर मिलता रहेगा।

GREAT CG लिखा है जो Economic Growth, Technology, Capex तथा दर्शाता है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के पहले छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार रही है जो यह दर्शाती है कि यह कर सबका साथ, सबका सबका प्रयास के सिद्धांतों पर विकास के प्रति पूरी तरह से

के उद्देश्य के साथ कार्य करेगी एक स्वर्णिम राज्य के रूप मे

नींव का बजट लिखा हुआ है जो योजनाओं का लाभ प्रदेश की

इसके साथ ही ब्रीफकेस के पीछे Guarantee, Reform, Achievement, Good Governance को

बजट के इस ब्रीफकेस में की नीति व नियत साफ झलक सरकार मोदी की गारंटी को पूरा विकास, सबका विश्वास व चलकर छत्तीसगढ़ की जनता के प्रतिबद्ध है।

दिमाग में लगी चिप से लकवा रोगी बिना छुए चलाएंगे कंप्यूटर

वाशिंगटन. लकवा रोगी अपनी सोच से कंप्यूटर और मोबाइल चला सकेंगे. सुनकर आश्चर्य होता है न. लेकिन यह बात सच होने जा रही है. ऐसा एक चिप की बदौलत होगा . एलन मस्क की न्यूरोटेक्नोलॉजी कंपनी न्यूरालिंक ने इंसानी दिमाग में पहली बार वायरलेस कंप्यूटर चिप प्रत्यारोपित करने में कामयाबी हासिल की है. दावा है कि भविष्य में इसकी बदौलत किसी नेत्रहीन की रोशनी भी लौट सकती है और बधिर लोग सुन भी सकते हैं.

सोशल मीडिया मंच एक्स पर मस्क ने बताया कि जिस व्यक्ति में यह चिप लगी है वह तेजी से स्वस्थ हो रहा है. न्यूरालिंक प्रत्यारोपण प्रक्रिया के तहत दिमाग में इलेक्ट्रोड प्रत्यारोपित करते हैं. इस उपकरण में एक हजार से अधिक इलेक्ट्रोड हैं. इससे मिर्गी और पार्किंसन के मरीजों को भी लाभ होगा. चिप की मदद से लकवाग्रस्त रोगी अपने आसपास के लोगों से बात कर सकते हैं.

मस्क ने बताया कि न्यूरालिंक के पहले उत्पाद को टेलीपैथी कहा जाएगा. सबसे पहले इसका प्रयोग वो लोग करेंगे जो लकवाग्रस्त होने के कारण अपना हाथ-पैर खो चुके हैं.

मस्क ने बताया कि प्रत्यारोपण के नतीजे संतोषजनक हैं. तकनीक न्यूरॉन स्पाइक का पता लगाने में सक्षम है. न्यूरालिंक इंसानी दिमाग के पैदा होने वाले सिग्नल समझ रही है. मस्क भविष्य में इसमें कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं. उन्होंने कहा कि कल्पना करें कि वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग टाइपिस्ट और उनको समझने वाले व्यक्ति से भी तेज बात कर सकते. अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने क्लीनिकल ट्रायल के लिए पिछले वर्ष मई में परीक्षण की अनुमति दी थी. परीक्षण पहले बंदर की तरह दिखने वाले प्राइमेट्स पर हुआ. परीक्षण पर विवाद हुआ तो मस्क ने सफाई दी थी कि न्यूरालिंक से कोई बंदर नहीं मरा. जान का खतरा कम करने के लिए बीमार बंदरों पर इसका परीक्षण होगा.

मस्क की स्टार्टअप कंपनी है न्यूरालिंक

न्यूरालिंक एलन मस्क की स्टार्टअप कंपनी है जो 2017 में शुरू हुई थी. इसमें सात वैज्ञानिक और इंजीनियरों की बड़ी टीम है. कंपनी को वर्ष 2019 तक 15.8 करोड़ डॉलर की फंडिंग हुई थी. इसमें अकेले मस्क ने 10 करोड़ डॉलर का निवेश किया था.

ऐसे काम करेगा दिमाग में प्रत्यारोपित उपकरण

चिप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण इंसान के दिमाग में प्रत्यारोपित किया जाता है. न्यूरालिंक ऐप की मदद से व्यक्ति बिना तार के बातचीत कर सकता है. ऐप व्यक्ति की गतिविधि और विचारों को समझकर उसके भाव को प्रक्ट करता है. उपकरण बिना तार के भी चार्ज किया जा सकेगा.

ORGALIFE®

Eat Organic, Stay Healthy

CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS

Range of 100% Natural & Eco Friendly Products

~~140/-~~ 120/- हिमालयन पिंक सॉल्ट	~~130/-~~ 115/- आर्गेनिक गुड	~~130/-~~ 115/- आर्गेनिक गुड पाउडर	~~150/-~~ 135/- गुड चना	~~115/-~~ 94/- गुड खुरचन	~~140/-~~ 125/- गुड पान
~~140/-~~ 120/- गुड पाचक	~~175/-~~ 160/- टी मसाला	~~180/-~~ 160/- रेड राइस	~~180/-~~ 165/- ब्लैक राइस	~~175/-~~ 155/- ब्राउन राइस	~~210/-~~ 190/- रामजीरा राइस
~~160/-~~ 145/- दुबराज राइस	~~170/-~~ 155/- हर्बल सोप	~~560/-~~ 545/- नारियल तेल	~~110/-~~ 95/- लाल मिर्च पाउडर	~~430/-~~ 410/- A2 घी	~~175/-~~ 154/- आम का अचार
~~130/-~~ 115/- मिक्स दाल	~~125/-~~ 110/- मसूर दाल	~~110/-~~ 90/- चना दाल	~~130/-~~ 115/- मूंग दाल (बिना छिलका)	~~130/-~~ 115/- उड़द दाल (छिलका)	~~125/-~~ 110/- झुरगा
~~160/-~~ 145/- काबूली चना	~~145/-~~ 120/- राजमा जम्मू	~~110/-~~ 85/- मल्टी ग्रेन दलिया	~~140/-~~ 120/- मूंग दाल (छिलका)	~~80/-~~ 60/- सुजी	~~95/-~~ 75/- साबुत चना
~~110/-~~ 85/- गेंहू आटा	~~115/-~~ 90/- चना बेसन	~~140/-~~ 120/- उड़द दाल(बिना छिलका)	~~145/-~~ 130/- अरहर दाल	~~110/-~~ 85/- रागी फ्लोर	~~90/-~~ 77/- राइस पोहा

More Then 100+ Organic Grocery Products

Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

Scan & Shop Now

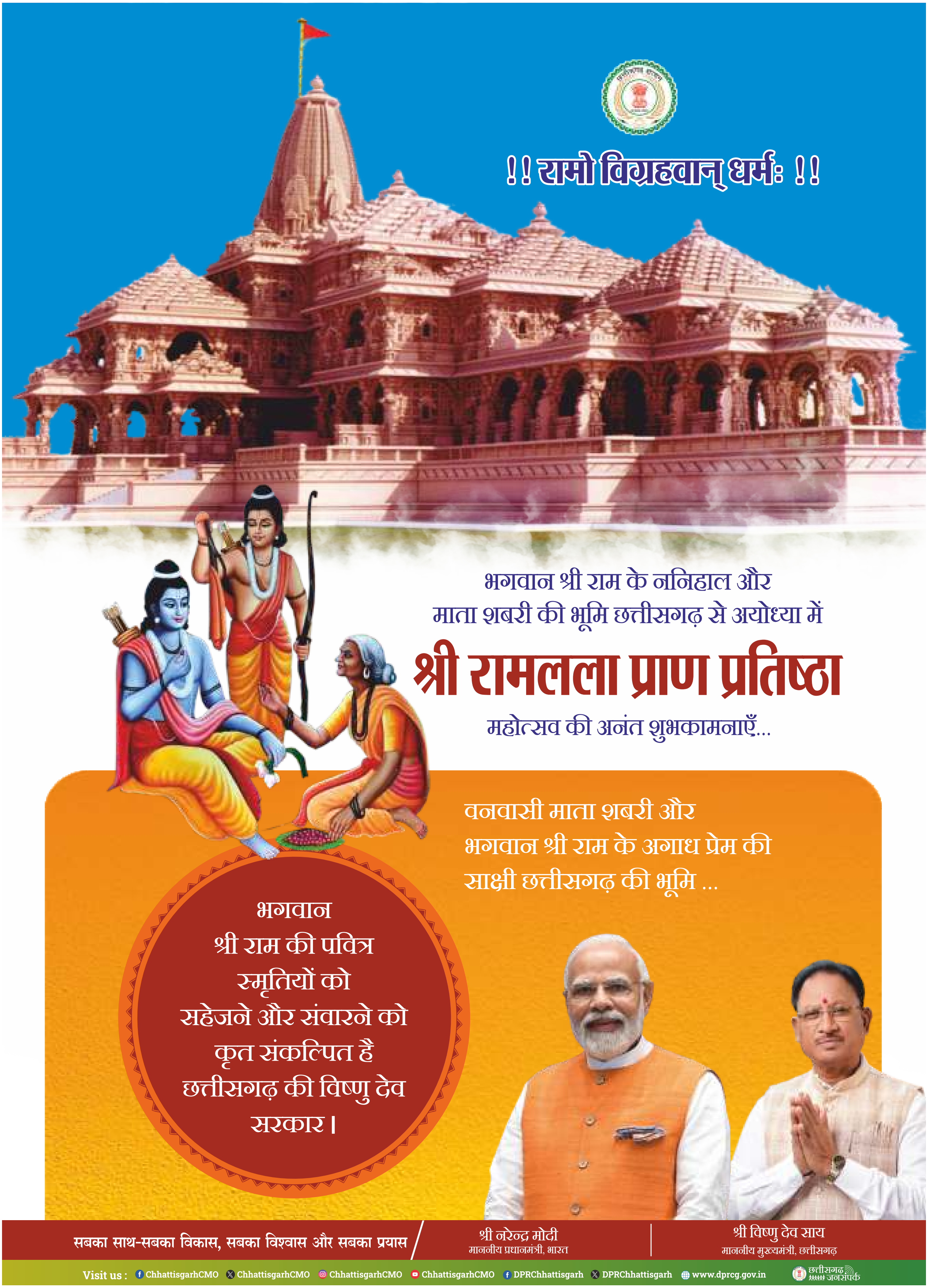

R.O. No. :12715/105